MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-35 ❖ मुंबई ❖ रविवार 21 से 27 अगस्त 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

पेज 3 सड़कों पर नजर आएंगी वातानुकूलित डबल डेकर बसें

पेज 5 सटीक आकड़ों से योजनाओ का क्रियान्वयन संभव : शिवराज

पेज 7 गुलज़ार हैं सदाबहार! गीतकार द्वारा लिखे गए ऐसे गाने जिसे शायद ही कभी भूला जा सक

पेज 8 समीर वानखेड़े को मिली जान से मारने की धमकी, पुलिस जांच में जुटी

एक नजर

राहुल के कार्यालय के दो कर्मियों समेत चार गिरफ्तार

वायनाड (केरल)। केरल में हाल में महात्मा गांधी की तस्वीर को कथित तौर पर नुकसान पहुंचाए जाने के मामले में शुक्रवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के वायनाड कार्यालय के दो कर्मचारियों समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। करीब दो महीने पहले एसएफआई के कार्यकर्ताओं के हिंसक विरोध के बाद महात्मा गांधी की तस्वीर को कथित तौर पर नुकसान पहुंचाया गया था। पुलिस ने घटना के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किए जाने की पुष्टि की है। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में शामिल दो व्यक्ति वायनाड के सांसद के कार्यालय के कर्मचारी हैं, जबकि दो अन्य व्यक्ति पार्टी के कार्यकर्ता हैं।

वानखेड़े को सोशल मीडिया पर मिली धमकी

मुंबई। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व अधिकारी समीर वानखेड़े को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी मिली है। वानखेड़े ने गोरेगांव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है और मामले की जांच की जा रही है। वानखेड़े का बयान बृहस्पतिवार को दर्ज किया गया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री नवाब मलिक द्वारा दर्ज कराए गए फर्जी जाति प्रमाण पत्र शिकायत मामले में क्लीन चिट मिलने के तुरंत बाद उन्हें धमकियां मिलीं। पुलिस शिकायत के अनुसार, 'अमन' नाम के एक ट्विटर हैंडल ने 14 अगस्त को समीर वानखेड़े को मैसेज किया था। संदेश में कहा गया, तुमको पता है तुमने क्या किया है, इसका हिसाब तुमको देना पड़ेगा, इसके लिए भुगतान करना होगा।'

केंद्रीय गृह सचिव को एक साल का सेवा विस्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को शुक्रवार को 22 अगस्त 2023 तक के लिए एक साल का सेवा विस्तार दिया गया। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में यह कहा गया है। उन्हें 2019 में केंद्रीय गृह सचिव नियुक्त किया गया था। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने भल्ला को गृह सचिव के तौर पर केंद्रीय गृह मंत्रालय में 22 अगस्त,2022 के आगे 22 अगस्त 2023 तक एक साल की अवधि के लिए सेवा विस्तार की मंजूरी दी है।

महाराष्ट्र में फिर सक्रिय होगी CBI, जल्द हटेगी पाबंदी, बढ़ेंगी विपक्ष की मुश्किलें?

मुंबई: महाराष्ट्र में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) पर लगी पाबंदी हटने वाली है। इस संबंध में जल्द ही राज्य मंत्रिमंडल फैसला लेगा। अगर ऐसा होता है तो महाराष्ट्र में विरोधी दलों के प्रमुख नेताओं की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। वैसे 2014 के बाद 9 गैर बीजेपी शासित राज्य महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, झारखंड, केरल, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, मेघालय और मिजोरम ने सीबीआई की सीधी जांच पर प्रतिबंध लगा दिया था। पश्चिम बंगाल में एक मामले में कोलकाता पुलिस आयुक्त के आवास पर उनसे पूछताछ करने गए सीबीआई अधिकारियों को राज्य पुलिस ने घर से बाहर निकाल दिया था। दिल्ली के मंत्री मनीष सीसोदिया पर कार्रवाई कर सीबीआई फिर से चर्चा में आ गयी है। सीबीआई के निशाने पर शिवसेना और एनसीपी के नेता मुंबई में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले के वक्त राज्य की महाविकास अघाड़ी सरकार की परेशानियां बढ़ गई थीं। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के पुत्र व पिछली सरकार में पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे बड़ी चर्चा में थे। एजेंसी की जांच प्रणाली को लेकर उद्धव ठाकरे बेहद ही खफा थे। दूसरे राज्यों का अध्ययन करने के बाद ठाकरे सरकार ने 21 अक्टूबर, 2021 को राज्य में जांच के लिए सीबीआई पर पाबंदी लगा दी थी, मतलब बगैर राज्य सरकार की अनुमति के सीबीआई किसी मामले की जांच नहीं कर सकती।

मुंबई में 26/11 जैसे हमले की धमकी

पुलिस को पाकिस्तानी नंबर से भेजा वॉट्सएप मैसेज; लिखा- लोकेशन ट्रेस करोगे तो शहर में धमाका होगा

मुंबई में 26/11 जैसा हमला करने की धमकी दी गई है। पुलिस को पाकिस्तान के एक नंबर से शुक्रवार रात वॉट्सऐप मैसेज मिला। इसमें कहा गया है कि अगर लोकेशन ट्रेस की गई तो वह भारत के बाहर की मिलेगी और धमाका मुंबई में होगा। धमकी में कहा गया है कि 6 लोग भारत में, जो इस काम को अंजाम देंगे। जिस नंबर से यह मैसेज किया गया है वह पाकिस्तान का है।

मैसेज में उदयपुर कांड का भी जिक्र है। इस मामले में मुंबई पुलिस कमिश्नर विवेक फणसालकर ने कहा कि कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर पर टेरर मैसेज मिला है। इसमें मुंबई को उड़ाने की धमकी दी है। मैसेज में अजमल कसाब और अल जवाई का भी जिक्र है। उस व्यक्ति ने भारत में भी कुछ लोगों के होने की बात कही है।

मुंबई को फिर दहलाने की चिट्ठी

मुंबई पुलिस किसी धमकी को हल्के में नहीं लेती। हम जांच में ATS, क्राइम ब्रांच और दूसरी एजेंसियों की मदद लेंगे।

विवेक फणसालकर, मुंबई पुलिस कमिश्नर

नंबर में जो कोड दिख रहा है, वो पाकिस्तान का लग रहा है। जांच में नाम, पता, नंबर सबकी जानकारी मिल जाएगी। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पर आतंकी हमले की धमकी से जुड़ी खबर को पूरा पढ़ने से पहले आप इस पोल के जरिए अपनी राय दे सकते हैं... टेरर केस में ATS की मदद लेने की तैयारी कमिश्नर ने कहा कि मुंबई पुलिस किसी भी धमकी को हल्के में नही लेती है। अभी मुंबई के वर्ली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। इसके बाद केस क्राइम ब्रांच को सौंपा जाएगा। हम जांच में ATS, क्राइम ब्रांच समेत दूसरी एजेंसियों की मदद भी लेंगे। मुंबई पुलिस को वॉट्सऐप पर यह मैसेज भेजा गया... महाराष्ट्र में एक दिन पहले बोट पर मिलीं तीन AK-47 एक दिन पहले महाराष्ट्र के रायगढ़ में समुद्र में एक संदिग्ध बोट मिली थी, जिससे तीन AK-47 और कुछ बुलेट्स बरामद किए गए थे। शुरुआती जांच में भारत में आतंकी हमले की आशंका जताई गई थी, लेकिन महाराष्ट्र के डिप्टी CM और इंडियन कोस्ट गार्ड के अधिकारी ने किसी प्रकार के आतंकी पहलू से इनकार कर दिया था। अधिकारी ने बताया कि फिलहाल आतंकी साजिश जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। हालांकि, सुरक्षा के लिहाज से NIA और ATS की टीम मामले की जांच कर रही हैं। शुक्रवार को पुलिस ने बताया कि जिस बॉक्स में हथियार रखे हुए थे, उस पर अंग्रेजी में नेप्च्यून मैरिटाइम सिक्योरिटी लिखा हुआ है। यह कंपनी ब्रिटेन की है। मुंबई पर 26/11 को हुए अटैक में 237 लोग मारे गए थे

26 नवबंर 2008 की रात पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर के 10 आतंकवादी भारत में घुस गए। दो आतंकियों ने दक्षिणी मुंबई के कोलाबा में स्थित लियोपोल्ड कैफे को निशाना बनाया, दो आतंकियों ने नरीमन हाउस, तो वहीं बाकी आतंकी दो-दो की टोली में छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, होटल ट्राइडेंट ओबरॉय और ताज होटल की तरफ बढ़ गए।

हमने डेढ़ महीने पहले एक बहुत ही कठिन दही हांडी तोड़ी थी

ठाणे: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दही हांडी के उत्सव पर उद्धव ठाकरे के खिलाफ जमकर निशाना साधा। उन्होंने अपने विद्रोह का जिक्र करते हुए कहा कि जून में उन्होंने और उनके समर्थकों ने बहुत ही चुनौतीपूर्ण दही हांडी को तोड़ने का काम किया था। दरअसल, शिंदे राज्य में शिवसेना-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-कांग्रेस की गठबंधन सरकार को गिराने की ओर इशारा कर रहे थे। बीजेपी और शिवसेना के बागी विधायकों के समर्थन से 30 जून को मुख्यमंत्री बने एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को जन्माष्टमी के अवसर पर तेंभी नाका में आयोजित एक दही हांडी कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। एकनाथ शिंदे ने कहा, 'आप लोग अब दही हांडी तोड़ रहे हैं। हमने डेढ़ महीने पहले एक बहुत ही कठिन दही हांडी को तोड़ा था। यह बहुत कठिन था, ऊंचा था, और हमें उसे तोड़ने के लिए 50 मजबूत परतों की मदद लेनी पड़ी, लेकिन अंततः हम सफल हुए।'

बाल ठाकरे और आनंद दीघे पर क्या बोले शिंदे

सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि जहां एक ओर शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे चाहते थे कि पार्टी का एक कार्यकर्ता महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बने, वहीं दिवंगत आनंद दीघे चाहते थे कि ठाणे के किसी शिवसेना कार्यकर्ता को यह शीर्ष पद मिले। शिवसेना के दिग्गज नेता रहे आनंद दीघे को ही राजनीति में शिंदे का गुरु माना जाता है।

अब आप की बारी विपक्षी मनीष पर कसा शिकंजा !

नई दिल्ली, २०२४ की तैयारियों में जुटी केंद्र की भाजपा सरकार अपने विरोधियों को निपटाने का कोई मौका छोड़ नहीं रही है। इसी कड़ी में अब दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों का शिकंजा सख्त होता जा रहा है। ऐसे में लोग इसे दिल्ली चुनाव से पहले केजरीवाल को कमजोर करने की केंद्र की साजिश बता रहे हैं। नई आबकारी नीति में गड़बड़ी के आरोप को लेकर दिल्ली के उप-राज्यपाल वीके सक्सेना ने कुछ दिनों पहले ही सीबीआई से जांच की सिफारिश की थी। इसके बाद जांच में जुटी सीबीआई की दर्जन भर टीमों ने कल मनीष सिसोदिया के २१ ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई की कार्रवाई करीब १३ घंटों तक चली।

दिल्ली सरकार की नई शराब नीति में वित्तीय अनिमितताओं को लेकर भाजपा ने दिल्ली सरकार पर आरोप लगाए थे, जिनमें प्रमुख नाम मनीष सिसोदिया का है। कुल १५ आरोपी हैं। शुक्रवार को सुबह आठ बजे सीबीआई ने सबसे पहले मनीष सिसोदिया के सरकारी आवास और उनकी कार्यालय पर छापेमारी करके मामले से संबंधित कई कागजी दस्तावेजों को जप्त किया। शराब नीति में घपलेबाजी को लेकर सीबीआई ने एक एफआईआर दर्ज की है जिसमें १५ आरोपी हैं, मनीष सिसोदिया को मुख्य आरोपी बनाया गया है।

एफआईआर में १२०-बी, ४७७-ए और सेक्शन-७ जैसी धाराएं दर्ज हैं।

राजनीति गरमाई

सीबीआई की छापेमारी से राजधानी की राजनीति पूरी तरह से गरमा गई है। पूर्व 'आप' व भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने कहा दिल्ली का दूसरा ठग भी जल्द सलाखों में होगा, तीसरे की बारी है। वहीं, कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने सीबीआई की कार्रवाई को जायज ठहराते हुए कहा, शराब के नाम पर आम आदमी पार्टी के नेताओं ने लूट मचाई हुई है।

पूरी दिल्ली में जगह-जगह शराब की दुकानें खोलकर शहर को दारू का अड्डा बना दिया है। 'आप' के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने सीबीआई की छापेमारी को भाजपा की साजिश बताते हुए कहा, जब केजरीवाल के घर छापा मारा गया था तो ४ मफलर मिले थे, अब मनीष सिसोदिया के घर भी सीबीआई को पेंसिल और कॉपी के अलावा कुछ नहीं मिलेगा।

क्या है पूरा मामला?

मालूम हो मुख्य सचिव ने दो महीने पहले अपनी एक रिपोर्ट उप-राज्यपाल को सौंपी थी जिसमें जीएनसीटीडी एक्ट-१९९१, ट्रांजेक्शन ऑफ बिजनेस रूल्स-१९९३, दिल्ली एक्साइज एक्ट-२००९ और दिल्ली एक्साइज रूल्स-२०१० के नियमों का उल्लंघन होना बताया गया था।

ये भी बताया था कि नई शराब नीति में लाइसेंस देने के नियमों में जमकर अनदेखी हुई।

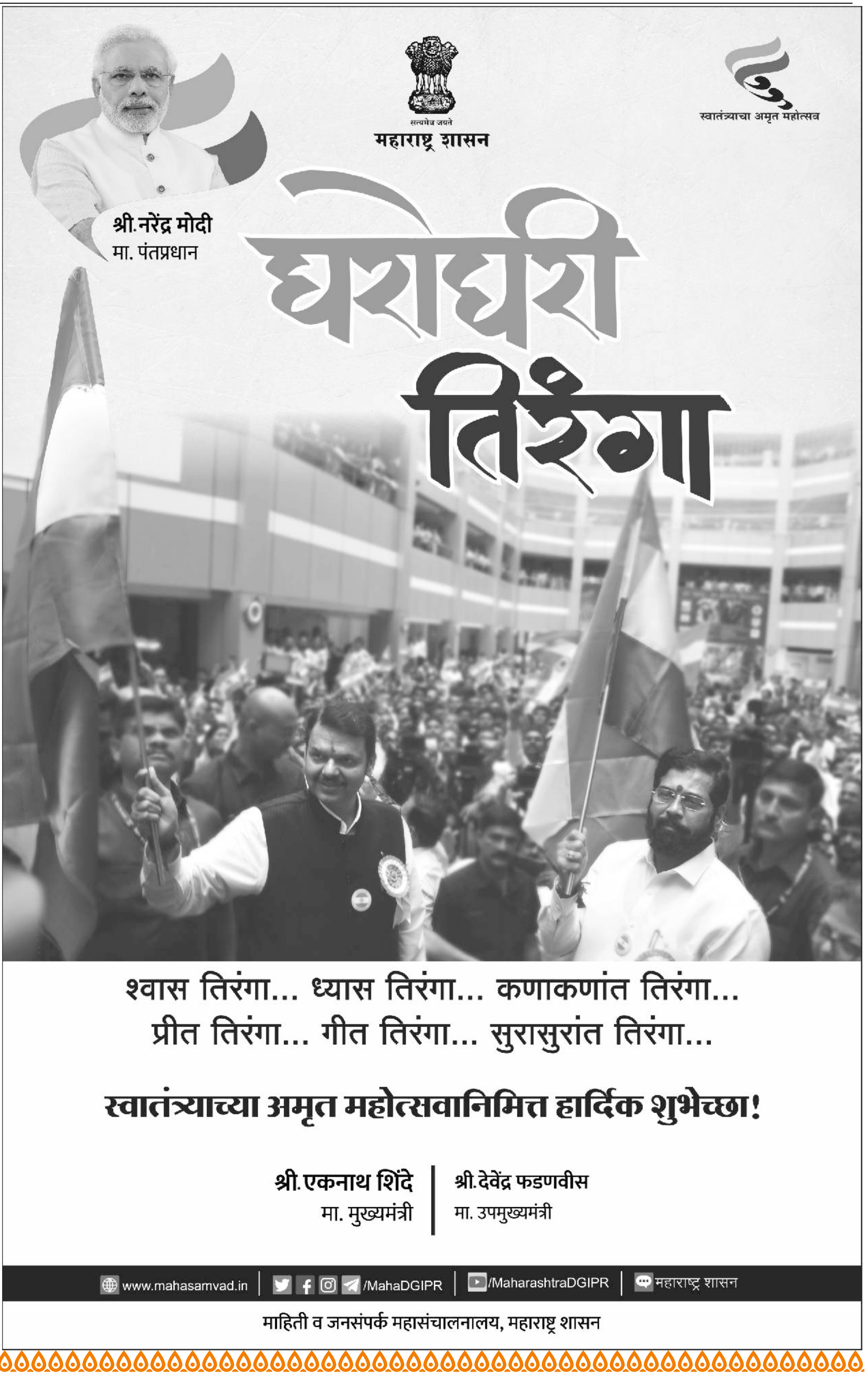

निशाने पर कश्मीरी पंडित

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में मंगलवार को हुई एक और कश्मीरी पंडित की हत्या ने उन सभी सवालों को एक बार फिर ज्यादा तीव्रता के साथ सामने ला दिया है, जिन पर पिछले कुछ समय से लगातार बातचीत हो रही है। इस ताजा टारगेटेड किलिंग का शिकार हुए सुनील कुमार भट उन गिने-चुने लोगों में थे, जिन्होंने नब्बे के दशक में उग्रवाद के उफान के दौर में भी घाटी छोड़कर जाना मंजूर नहीं किया। यह इस साल मई महीने से लेकर अब तक कश्मीरी पंडितों की हत्या की चौथी घटना है, लेकिन अन्य समुदायों के लोग भी टारगेटेड किलिंग का निशाना बनते रहे हैं। इस साल की ही बात की जाए तो अब तक 21 लोग ऐसे हमलों में अपनी जान गंवा चुके हैं। यह बात कही जा चुकी है कि जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ समय से बड़ी आतंकवादी घटनाओं में भले कमी आई हो, सीमा पार से संचालित आतंकी नेटवर्क को कुछ हद तक काबू कर लिया गया हो, लेकिन टारगेटेड किलिंग के रूप में एक ऐसा नया ट्रेंड शुरू हुआ है, जो बेहद घातक है। इन हमलों की वजह से कश्मीर घाटी में छिटपुट रह गए पंडित बिरादरी के लोग इस कदर असुरक्षित हो गए हैं कि खुलेआम कहते हैं सरकार उन्हें यहां से निकाल दे। हालांकि यह मांग उनकी बेकरारी दिखाती है और कोई भी सरकार इसे शाब्दिक रूप में लेकर उन्हें कहीं और बसाने की प्रक्रिया नहीं शुरू कर सकती। जहां तक इन्हें सुरक्षा देने का सवाल है तो इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि सुरक्षा बलों का तंत्र इस काम में पूरी गंभीरता से जुटा है। लेकिन उसकी अपनी सीमाएं हैं। दूसरी बात यह भी समझने की है कि किसी भी क्षेत्र में आम आबादी को सुरक्षा का अहसास सुरक्षा बलों के जवानों की भारी संख्या में तैनाती और आतंकियों के एनकाउंटर के जरिए नहीं कराया जा सकता। निस्संदेह आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने और आतंकी तत्वों के मन में डर बैठाने के लिए वह भी जरूरी है। लेकिन नागरिकों में सुरक्षा का वास्तविक अहसास सुरक्षा बलों की मौजूदगी से नहीं, उनकी अनुपस्थिति से होता है। अपने चारों

ओर विश्वास के माहौल से होता है। टारगेटेड किलिंग के इस नए ट्रेंड ने सबसे ज्यादा नागरिकों के इसी विश्वास पर हमला किया है। उसे तोड़ने की कोशिश की है। इसकी भरपाई सबसे ज्यादा अगर किसी एक चीज से हो सकती है तो वह है लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पुनर्बहाली। हालांकि इसमें शक नहीं कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव अन्य इलाकों के मुकाबले कहीं ज्यादा मुश्किल है। यहां जटिलताएं ज्यादा हैं। ऐसे में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और उसकी चुनौतियों को भी कम करके नहीं देखा जा सकता। लेकिन सारी बातें एक तरफ और जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव की जरूरत एक तरफ। चुनाव आयोग को इस काम को जल्द से जल्द अंजाम देना चाहिए।

ताइवान पर तकरार

किरीट ए. चावड़ा

अमेरिकी प्रतिनिधिसभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा से उठा विवाद अभी पूरी तरह शांत भी नहीं हुआ था कि रविवार को अमेरिकी सांसदों का एक और प्रतिनिधिमंडल वहां जा पहुंचा। दो सप्ताह के अंदर अमेरिकी जनप्रतिनिधियों की इस दूसरी ताइवान यात्रा से बौखलाए चीन ने कहा है कि वह उस क्षेत्र में और ज्यादा मिलिट्री ड्रिल को अंजाम देगा। नैंसी पेलोसी की यात्रा पर भी चीन काफी नाराज हुआ था, लेकिन मिलिट्री ड्रिल के जरिए अपना गुस्सा जाहिर करने के बाद उसने कोई और बड़ा कदम नहीं उठाया, जिससे लग रहा था कि मामला धीरे-धीरे ठंडा पड़ रहा है। अमेरिका ने भी पेलोसी की यात्रा को लेकर कहा था कि चीन को इसे संकट का रूप नहीं देना चाहिए। यानी दोनों ही देश ताइवान को लेकर यथास्थिति बनाए रखने के हक में थे। लेकिन इस बीच अमेरिकी सांसदों की ताइवान यात्रा से मामला गरमा गया है। दरअसल, ताइवान को लेकर हुए इस हालिया विवाद की जड़ें एक तरह से यूक्रेन युद्ध से जुड़ी हुई हैं। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों को लगा कि ताइवान पर भी चीन इसी तरह से हमला कर सकता है। असल में, यूक्रेन युद्ध में पश्चिमी देश रूस को रोक नहीं पाए। उन्होंने यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई जारी रखी है और रूस पर आर्थिक पाबंदियां भी लगाई हैं, लेकिन इससे बहुत असर नहीं हुआ। यह संदेश भी गया कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है तो अमेरिका के लिए उसे रोकना और भी मुश्किल होगा। ताइवान मसले को समझने के लिए वन चाइना पॉलिसी को समझना होगा। इसके तहत चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और अमेरिका सहित दुनिया के ज्यादातर देश इसे मान्यता देते हैं। लेकिन अमेरिका चाहता है कि ताइवान स्वायत्त बना रहे। उसका कहना है कि वह ताइवान को अकेला नहीं छोड़ सकता क्योंकि यह सुनिश्चित करना उसका दायित्व है कि किसी हमले की सूरत में ताइवान अपनी रक्षा कर सके। यहां खास बात यह ध्यान देने की है कि ताइवान कंप्यूटर चिप्स का बड़ा सप्लायर है। उसकी सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री ग्लोबल इकॉनमी के लिए बेहद अहम है। जापान भी चाहता है कि अमेरिका, ताइवान की मदद करे। दूसरी तरफ, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ताइवान को अपने देश के साथ मिलाना चाहते हैं। इसी साल चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का 20वां अधिवेशन है, जिसमें शी को तीसरे टर्म के लिए राष्ट्रपति चुना जाएगा। इसलिए शी ताइवान पर कमजोर नहीं दिखना चाहते। उनके सामने माओ त्से तुंग और तंग श्याओ फिंग की तरह अपनी एक विरासत गढ़ने की भी चुनौती है। कुछ हलकों में कहा जा रहा है कि यह काम वह ताइवान को मिलाकर कर सकते हैं। यानी, अमेरिका और चीन के बीच तनातनी जल्द खत्म नहीं होने वाली।

महिला वोट बैंक पर टिकीं सबकी नजरें

गणेश पाण्डेय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से महिला सम्मान की बात की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को ज्यादा मौके और ज्यादा सुविधा देकर ही देश की प्रगति तेजी से होगी। साथ ही कहा कि हमें अपने भीतर आई उस विकृति को दूर करना होगा, जिसमें हम कभी अपने शब्दों से तो कभी आचरण से नारी का अपमान करते हैं। ऐसा पहली बार नहीं है कि महिलाओं के मसले पर पीएम खुलकर बोले हों। पिछले कुछ सालों में महिलाएं एक मजबूत वोट बैंक के तौर पर उभरी हैं। पहले जहां यह माना जाता था कि घर के पुरुष सदस्यों के कहने के हिसाब से ही महिलाएं वोट देती हैं, वहीं पिछले कुछ सालों में यह भ्रम टूटा है और किसी भी पार्टी को सत्ता में पहुंचाने में महिला वोटरों का बड़ा योगदान रहा है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में मिली जीत के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि बीजेपी की जीत में महिलाओं का अहम योगदान है। केंद्र सरकार ने महिलाओं को फोकस करते हुए कई स्कीमें भी शुरू कीं। बीजेपी के बारे में कहा जाता था कि मुस्लिम बीजेपी को वोट नहीं देते। लेकिन बीजेपी ने महिला वर्ग में फोकस कर मुस्लिम वोट बैंक में भी सेंध लगाई। बीजेपी का मानना है कि तीन तलाक पर रोक लगाने से मुस्लिम महिलाओं का बड़ा वर्ग बीजेपी के पक्ष में आया।

एक-दूसरे पर अटैक

पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनावों में सभी पार्टियों ने महिलाओं के लिए कई तरह के वादे किए। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये देने का वादा किया। वहां पर आप की सरकार बन चुकी है और अब सरकार अपने इस वादे को पूरा करने की दिशा में काम करने की बात कह रही है। यही वादा अब आम आदमी पार्टी गुजरात में भी कर रही है। गुजरात में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव हैं और आप वहां पूरा फोकस कर रही है। महिला वोटर अभी से सभी दलों के निशाने पर हैं। सभी राजनीतिक दल महिला सुरक्षा और सम्मान की बातें कर रहे हैं। यूपी विधानसभा चुनाव में भी महिला सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा था।

वहां विपक्ष ने बीजेपी को इसी बात पर घेरने की कोशिश की और कहा कि यूपी में महिलाओं के प्रति अपराध बढ़े हैं। वहीं बीजेपी ने भी इसे मुद्दा बनाते हुए कहा था कि योगी राज में महिलाएं ज्यादा सुरक्षित हैं। इसका सियासी लाभ बीजेपी को मिला। कानून व्यवस्था के मुद्दे पर योगी ने चुनाव लड़ा और फिर सरकार बनाई। हालांकि 15 अगस्त को प्रधानमंत्री की लाल किले से दी गई स्पीच में महिला सम्मान की बात करने के तुरंत बाद ही सरकार पर सवाल उठ गए।

दरअसल पीएम की स्पीच के बाद 2002 के गुजरात दंगों के दौरान सामूहिक हत्या और मुस्लिम महिला से गैंगरेप के मामले में उम्रकैद काट रहे 11 कैदियों को रेमिशन पॉलिसी के तहत जेल से छोड़ दिया गया। उनकी आरती उतारते और मिठाई खिलाते विडियो वायरल हुए। जबकि इसी साल जून में केंद्र सरकार ने आजादी के अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में कैदियों की रिहाई के लिए जो दिशानिर्देश जारी किए थे, उसमें कहा गया था कि रेप के दोषी समय से पहले रिहाई के हकदार नहीं हैं। लेकिन गुजरात गैंगरेप केस के दोषियों की रिहाई से सवाल उठ रहे हैं कि दिशा निर्देश को कानूनी जामा क्यों नहीं पहनाया जाता? जहां कांग्रेस इस मामले में हमलावर है वहीं बीजेपी ने चुप्पी ओढ़ रखी है। दिलचस्प है कि यही बीजेपी कांग्रेस शासित राजस्थान में महिला सुरक्षा और महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहे अपराध के मसले पर आक्रामक मुद्रा में है। ऐसे में संदेश गया कि राजनीतिक दलों के लिए महिलाएं बड़ा वोट बैंक तो बन गई हैं, लेकिन महिला सुरक्षा और सम्मान के नाम पर प्रतिक्रिया यह देखकर ही आ रही है कि किस राज्य का मसला है और कहां किस पार्टी की सरकार है। हाल ही में नोएडा की एक सोसाइटी में बीजेपी से जुड़े एक स्थानीय नेता का महिला से बदतमीजी का विडियो वायरल हुआ। इस घटना के बाद भी बीजेपी बैकफुट पर आई और उस नेता से किसी तरह वास्ता होने से इंकार किया।

2024 से पहले बड़े फैसले

महिला सुरक्षा का मुद्दा जिस तरह से बड़ा बन रहा है उससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले सरकार महिलाओं को लेकर कुछ बड़े कदम उठा सकती है। कांग्रेस, टीएमसी या जेडीयू भी अपने शासित राज्यों में महिलाओं को लुभाने के लिए कुछ घोषणाएं कर सकते हैं। जिस तरह नरेंद्र मोदी के नाम पर बीजेपी को लोकसभा में दोबारा मिली जीत में महिला वोटर्स का बड़ा योगदान बताया जाता है, उसी तरह बिहार में नीतीश कुमार की जीत में भी महिला मतदाताओं का बड़ा रोल रहा है। पश्चिम बंगाल में भी ममता बनर्जी की जीत में उनकी महिला समर्थकों की बड़ी भूमिका मानी जाती है। कांग्रेस भी महिला वोटरों को लुभाने की कोशिश कर रही है। लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी के खिलाफ विपक्षी एकजुटता की कोशिशें भी दिख रही हैं। ऐसे में एक बड़ा फैक्टर महिलाएं भी होंगी। लेकिन महिलाएं किसके साथ खड़ी होंगी और किसे उनका वोट मिलेगा, यह तो चुनाव परिणाम ही बताएंगे।

सरहद पर गरजने को तैयार हैं स्वदेशी तोपें

भूपेन्द्र पटेल

75वें स्वतंत्रता दिवस पर देश ने आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत सैन्य क्षेत्र में एक बड़ा कदम आगे बढ़ाया। लाल किले पर हुई 21 तोपों की सलामी में पहली बार स्वदेश में विकसित दो होवित्जर तोपों (एटीएजीएस) ने ब्रिटिश '25 पाउंडर्स' आर्टिलरी गन के साथ गोले दागे। भारतीय सेना के तोपखाना रेजिमेंट में पुरानी हो चुकी 155 मिलीमीटर गन को बदलने के लिए डीआरडीओ ने ये अडवांस टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) होवित्जर तोपें बनाई हैं। सैन्य परीक्षणों को पास कर अब यह तोप डायरेक्टोरेट जनरल क्वॉलिटी एश्योरेंस (डीजीक्यूए) के मूल्यांकन से गुजर रही है, जिसके बाद सेना इसकी खरीद का पहला ऑर्डर देगी।

लंबी दूरी पर सटीक मारक क्षमता वाली एटीएजीएस किसी भी विदेशी तोप को टक्कर देने में सक्षम है। 2013 में यह प्रॉजेक्ट शुरू हुआ था और 14 जुलाई 2016 को गन सिस्टम का सफल परीक्षण हुआ। 2017 में परीक्षण के दौरान गन ने 47.2 किलोमीटर की दूरी तक राउंड फायर करके इतिहास बनाया, लेकिन सितंबर 2020 में परीक्षण के दौरान गन का एक बैरल फटने से इसकी क्वॉलिटी पर सवाल खड़े हुए। नवंबर 2020 में जांच के बाद तोप को आगे के परीक्षणों के लिए मंजूरी मिली। जून 2021 में गन का 4,600 मीटर की ऊंचाई पर परीक्षण सफल रहा। 2 मई, 2022 को इसके सभी फील्ड परीक्षण सफल रहे। खास बात यह है कि एटीएजीएस को डीआरडीओ ने भारत फोर्ज और टाटा पावर एसईडी के साथ मिलकर डिवेलप किया है। यानी रक्षा क्षेत्र में सरकार और निजी कंपनियों की जिस भागीदारी से आत्मनिर्भर बनने की बात हो रही है, उस दिशा में यह अच्छी पहल मानी जा सकती है।

बोफोर्स विवाद का साया

बोफोर्स विवाद के बाद लंबे समय तक सेना के लिए नई तोपों की खरीद नहीं हुई। सेना लगातार तोपखाने को बदलने का प्रस्ताव देती रही, लेकिन सरकारों ने तोपों की रक्षा खरीद से दूरी बनाए रखी।

भारतीय सेना ने 1999 में फील्ड आर्टिलरी रेशनलाइजेशन प्रोग्राम (एफएआरपी) बनाया था, जिसके तहत अलग-अलग कैलिबर की अत्याधुनिक तीन तोपों को खरीदा जाना था। आखिरकार वर्ष 2015 में केंद्र सरकार ने एफएआरपी को मंजूरी दी। इसके तहत सेना को वर्ष 2025-27 तक लगभग 3000 होवित्जर गन खरीदनी है। इस प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया योजना को प्राथमिकता दी गई। बात विदेशी तोपों के रीमेक की करें तो साउथ कोरिया की के9 वज्र और बीएई सिस्टम की एम777 लाइटवेट होवित्जर की है। के9 लार्सन एंड टूब्रो ने बनाया, तो एम777 लाइटवेट होवित्जर महिंद्रा डिफेंस बना रही है। के9 155एमएम/52 कैलिबर स्व-चालित होवित्जर गन है, जिसकी रेंज है 38 किलोमीटर। लद्दाख और करगिल क्षेत्र में के9 बेहद कारगर साबित हुई। यह 47 किलो का बम दाग सकती है। सेना में 100 के9 तोपें शामिल हो चुकी हैं। दो सौ और तोपें खरीदने की तैयारी है। एम777 लाइटवेट होवित्जर 155एमएम/39 कैलिबर गन है, जिसकी रेंज 30 किलोमीटर है। हल्की एम777 उच्च पर्वतीय युद्ध क्षेत्रों में बेहद कारगर है। यह हेलिकॉप्टर से उठाई जा सकती है। सेना को 89 एम777 तोपें मिल चुकी हैं। 2022 के अंत तक शेष 56 गन भी मिल जाएंगी।

गरजने को तैयार

आर्टिलरी को अत्याधुनिक करने के इस प्रोग्राम में सेना धनुष गन और उन्नत टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) पर निर्भर है। 1986 में खरीदी स्वीडन की विवादित बोफोर्स गन की ट्रांसफर एंड टेक्नॉलजी (टीओटी) के आधार पर विकसित 155एमएम/45 कैलिबर धनुष गन इस प्रोग्राम का पहला हिस्सा है। स्वदेशी धनुष गन की मारक क्षमता अधिक है। बोफोर्स 39 कैलिबर थी, तो धनुष 45 कैलिबर की है। 2010 में इसका डिजाइन तैयार हुआ और लंबे परीक्षण के बाद 2017 में सेना ने 114 गन का ऑर्डर भी दिया। लेकिन पहले बैच की तोपों में सेना को कुछ तकनीकी दिक्कतें आईं। इसलिए इसे दोबारा परीक्षण के बाद शामिल करने का निर्णय हुआ। लेकिन लंबी दूरी तक मार करने वाली 155एमएम/52 कैलिबर एटीएजीएस गन से बड़ी उम्मीदें हैं। 75वें स्वतंत्रता दिवस पर एटीएजीएस को 21 तोपों के सलामी दस्ते में शामिल कर भी बता दिया गया है कि यह गन सरहद पर गरजने को तैयार है।

आदित्य ठाकरे के विधानसभा क्षेत्र में

बीजेपी की दही-हंडी

मुंबई: कोरोना महामारी के 2 साल बाद मुंबई और सटे उपनगरों में दही-हंडी का उत्सव मनाने को लेकर खूब उत्साह दिखाई दे रहा है। वहीं, उत्सव को लेकर राजनीतिक पार्टियों में शह-मात का खेल शुरू हो गया है। मुंबई महानगर क्षेत्र के कई मनपाओं में अगले कुछ महीने में चुनाव होने वाले हैं। इसे देखते हुए हर पार्टी के नेता इस मौके को भुनाना चाहते हैं। वरली के जंबोरी मैदान में शिवसेना नेता सचिन अहीर की संस्था संकल्प प्रतिष्ठान की ओर से यह उत्सव बड़े पैमाने पर मनाया जाता रहा है। लेकिन, इस बार यह मैदान बीजेपी ने पहले से बुक करा लिया है।

इसके चलते अब अहीर को दूसरे स्थान पर आयोजन करना पड़ेगा। इस क्षेत्र से युवा सेना के अध्यक्ष आदित्य ठाकरे विधायक हैं। इस बार जंबोरी मैदान पर बीजेपी की तरफ से उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसमें गोविंदा पथकों का सम्मान भी किया जाएगा।

टी-शर्ट से लेकर बैनर तक दिखेंगे नेताओं के नाम

बीएमसी चुनाव को देखते हुए शहर में कई स्थानों पर दही-हंडी उत्सव के आयोजकों ने विधायकों और पूर्व नगरसेवकों से संपर्क किया है। बीएमसी चुनाव को देखते हुए नेताओं ने आयोजन को खूब सहयोग किया है। आयोजकों के मुताबिक, टी-शर्ट से लेकर अन्य वस्तुओं तक के लिए विधायकों और पूर्व नगरसेवकों ने मदद की है। इसके चलते उत्सव पर टी-शर्ट से लेकर बैनर तक पर नेताओं के नाम दिख सकते हैं।

'सब को पता है, असली मुख्यमंत्री कौन है'

मॉनसून सत्र के पहले दिन शिवसेना के युवा नेता आदित्य ठाकरे ने शिंदे सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सभी को पता है कि 'असली मुख्यमंत्री' कौन है। सरकार में कोई महिला मंत्री नहीं होने पर भी कटाक्ष किया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पिछले सप्ताह अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया था। शिंदे गुट और बीजेपी के नौ-नौ विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया था। किसी भी महिला या निर्दलीय विधायक को मंत्रिमंडल में जगह नहीं दी गई है, जबकि विधानसभा में उनकी संख्या 20 है। जून में शिवसेना नेतृत्व के विरुद्ध बगावत करने पर सबसे पहले जिन 14-15 विधायकों ने उनका साथ दिया था, उन्हें भी मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिला है।

निर्दलीय विधायकों को कोई जगह नहीं

➔ बीएमसी चुनाव को देखते हुए उत्सव पर शह-मात का खेल शुरू
➔ शिवसेना को झटका देने लिए बीजेपी का दांवशिवसेना को झटका देने लिए बीजेपी का दांव

आदित्य ने कहा कि वफादारी के लिए कोई जगह नहीं है। निर्दलीय विधायकों को कोई जगह नहीं मिली है। न तो महिलाओं को और न ही मुंबई को मंत्रिमंडल में कोई जगह मिली है। मंत्रिमंडल में जिन विधायकों को जगह मिली है, उनका ओहदा घटा दिया गया है। उनका इशारा बागी शिवसेना विधायकों की ओर था, जिन्हें कम महत्वपूर्ण समझे जाने वाले विभाग मिले हैं। 40 बागी शिवसेना विधायकों पर जूनियर ठाकरे ने कहा कि उन्होंने एक दयालु इंसान की पीठ में छुरा घोंपा। उन लोगों के लिए दरवाजे खुले हैं, जो लौट कर आना चाहते हैं, लेकिन जो वहां रुकना चाहते हैं, उन्हें विधायक के रूप में इस्तीफा देना चाहिए। बागी नेताओं पर निशाना साधते हुए 'गद्दार' करार दिया।

शिंदे सरकार का फैसला

महाराष्ट्र में दही हांडी को साहसिक खेल का दर्जा

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को दही हांडी को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है. सीएम शिंदे ने विधानसभा में दही हांडी को साहसी खेल का दर्जा देने की घोषणा की है. इसके साथ ही महाराष्ट्र सरकार ने प्रो गोविंदा लीग भी शुरू करने की घोषणा की है. सीएम शिंदे ने एलान किया है कि दही

हांडी के कार्यक्रम में गोविंदाओं को जख्मी होने पर 5 लाख और किसी की मौत होने पर 10 लाख तक कि मदद की जाएगी. इसके साथ ही दही हांडी में हिस्सा लेने वाले गोविंदाओं को सरकारी नौकरियों में जगह दी जाएगी.

बता दें कि मुंबई की दही हांडी उत्सव समन्वय समिति (डीएचयूएसएस) ने पिछले सप्ताह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर दही हांडी को एक साहसिक खेल का दर्जा देने का अनुरोध किया था. जिसके बाद सीएम एकनाथ शिंदे ने अब दही हांडी को साहसी खेल का दर्जा देने की घोषणा की है. सीएम ने कहा कि महाराष्ट्र में खेल श्रेणी के तहत 'दही-हांडी' को मान्यता दी जाएगी. 'प्रो-दही-हांडी' पेश किया जाएगा और गोविदांओं को खेल श्रेणी के तहत नौकरी मिलेगी. हम सभी 'गोविंदा' के लिए 10 लाख रुपये का बीमा कवर प्रदान करेंगे. मृतक गोविंदाओं को मिलेंगे 10 लाख रुपये सीएम शिंदे ने कहा प्रशासन ने निर्णय लिया है कि चूंकि कल शुक्रवार को ही यह उत्सव है तो अभी बीमा प्रक्रिया तुरंत नहीं हो सकती. जिसके लिए किसी तरह की दुर्घटना घटी तो मृतक को 10 लाख, गंभीर रूप से घायलों को साढ़े 7 लाख और जो घायल होंगे उन्हें 5 लाख रूपए देने का निर्णय लिया गया है. रंगबिरंगी पोशाक पहने गोविंदा फोड़ते हैं मटकी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गृह क्षेत्र ठाणे में शुक्रवार को शिवसेना के उनकी अगुवाई वाले गुट और उद्धव ठाकरे के गुट की ओर से दही हांडी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसमें दोनों के समर्थक शक्ति प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं. दोनों पक्षों के समर्थक दही हांडी के लिए अधिक से अधिक भीड़ आकर्षित करने में जुटे हैं. दही हांडी जन्माष्टमी उत्सव का हिस्सा है, जिसमें हवा में लटके छाछ से भरे मिट्टी के बर्तन तक पहुंचने की कोशिश की जाती है. रंगबिरंगी पोशाक पहने गोविंदा इसके लिए मानव पिरामिड बनाते हैं, इस पिरामिड पर चढ़ कर एक युवक मटकी फोड़ता है.

हटेगी सीबीआई जांच पर लगी पाबंदी, महा आघाडी सरकार ने लगाई थी - बढ़ेगी विपक्षी दलों की मुश्किलें

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन के बाद अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) पर राज्य में प्रवेश पर लगी पाबंदी हटने वाली है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले के वक्त तत्कालिन महा विकास आघाडी सरकार ने राज्य में जांच के लिए सीबीआई पर पाबंदी लगा दी थी। बगैर राज्य सरकार के अनुमति के सीबीआई किसी मामले की जांच नहीं कर सकती, लेकिन अब राज्य में भाजपा के सहयोग से एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री बनने के बाद जल्द ही सीबीआई पर लगी पाबंदी हटा ली जाएगी। सूत्रों के अनुसार शिंदे-फडणवीस सरकार जल्द ही इस बावत फैसला लेगी। इसके पहले महा विकास आघाडी सरकार ने 21 अक्टूबर 2021 को राज्य में सीबीआई की जांच पर पाबंदी लगा दी थी। तत्कालिन ठाकरे सरकार ने केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई को राज्य में किसी भी मामले की जांच करने से रोक दिया था। जांच के लिए राज्य सरकार की अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया गया था। सूत्रों के अनुसार जल्द ही राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस पर फैसला लिया जाएगा। अगर ऐसा होता है तो महाराष्ट्र में विपक्ष के लिए मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

राऊत ने कहा मैं दोषी नहीं - वीडियो कांफ्रेंसिंग से अदालत में हुए पेश

मुंबई। पत्राचाल घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग प्रकरण में जेल में बाद शिवसेना सांसद संजय राऊत को गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा की ओर से दायर किए गए मानहानि मामले में मुंबई की मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए पेश किए गए शिवसेना ने राऊत ने खुद को मानहानि के मामले में निर्दोष बताया। इससे पहले शिवड़ी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने जेल प्रशासन को राऊत को 12 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश करने का निर्देश दिया। राऊत को फिलहाल आर्थर रोड जेल में न्यायिक हिरासत में रखा गया है। मजिस्ट्रेट के निर्देश के तहत राऊत वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में हाजिर हुए। मेधा के वकील विवेकानंद गुप्ता ने बताया कि सुनवाई के दौरान राऊत ने खुद पर लगे आरोपों को अस्वीकार करते हुए स्वयं को बेगुनाह बताया। लिहाजा अब उन्हें मानहानि के मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। कोर्ट ने अब इस मामले की सुनवाई 19 सितंबर 2022 को रखी है। गौरतलब है कि ईडी ने पत्राचाल मामले में राऊत को एक अगस्त को गिरफ्तार किया था। पिछली सुनवाई के दौरान मेधा की ओर से दायर मानहानि की शिकायत से जुड़े दस्तावेजों व क्लिप को देखने के बाद कोर्ट ने कहा था कि प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि राऊत ने शिकायतकर्ता (मेधा) के खिलाफ मानहानिपूर्ण टिप्पणी की है।

सड़कों पर नजर आएंगी वातानुकूलित डबल डेकर बसें

मुंबई: महानगर में जल्द ही बेस्ट की वातानुकूलित डबल डेकर बसें सड़कों पर दौड़ती हुईं नजर आएंगी। गुरुवार को बेस्ट द्वारा ऐसी ही एक बस का अनावरण किया जा रहा है, जिसे स्विच नाम की कंपनी ने बनाया है। डबल डेकर बसों के अलावा ऑफिस आने-जाने वालों के लिए बेस्ट ऐप बेस्ड बस सर्विस चलाने जा रही है। ये बेस्ट की प्रीमियम बस सेवाएं होंगी। परिवहन क्षेत्र के अलावा बेस्ट की इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई में भी कुछ नया होने जा रहा है। मुंबई की

सड़कों पर बेस्ट द्वारा ऑटोमैटेड स्ट्रीट लाइट लगेंगी। एसी डबल डेकर से मिलेगी राहतबेस्ट को वर्ष 2025 तक बेस्ट में सभी बसें इलेक्ट्रिक करनी हैं। इसके लिए बेस्ट 900 इलेक्ट्रिक डबल डेकर एसी बसें भी खरीद रही है। बेस्ट की योजना के अनुसार, मार्च 2023 तक 50 प्रतिशत बसें इलेक्ट्रिक करनी हैं और 2025 तक शत प्रतिशत बसें इलेक्ट्रिक होंगी। इनमें से 1400 सिंगल डेकर एसी, 400 मिडी एसी और 100 मिनी एसी बसें होंगी। बेस्ट के अनुसार, प्रति लाख यात्री पर 60 बसें होनी चाहिए।

ऐसी होंगी बेस्ट की प्रीमियम सेवाएं

हाई क्लास और ऑफिस आने-जाने वाले प्रीमियम यात्रियों को टारगेट करने के लिए बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई ऐंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) सितंबर महीने में बसें शुरू कर रही है। मुंबई और एमएमआर में कई मोबाइल ऐप बेस्ड बस सेवाएं और टैक्सी सर्विस चलती हैं। इन सेवाओं का लाभ हाई क्लास उठाता है, जिन्हें यात्रा के दौरान पूरा आराम और सुविधाएं चाहिए। ऐसे ग्राहकों को टारगेट करने के लिए बेस्ट भी अपने बेड़े में हाईएंड बसें जोड़ने की योजना बना रही है। इनका किराया भी सामान्य बसों से ज्यादा रहेगा। बेस्ट के महाप्रबंधक लोकेश चंद्रा ने बताया कि 30-40 बसों का पहला लॉट 3-4 महीने में आ जाएगा।

फिक्स रूट पर चलेंगी बसें

बेस्ट के अनुसार, प्रीमियम बसों को फिक्स रूट पर चलाया जाएगा, जिसमें कॉर्पोरेट में काम करने वाले वर्ग को खासतौर पर टारगेट किया जाएगा। ये सेवाएं मुंबई के पश्चिमी और पूर्वी उपनगरों जैसे बोरीवली और ठाणे से दक्षिण मुंबई तक चलाई जाएंगी। बेस्ट के एक अधिकारी के अनुसार, रूट तय होने के बाद यात्रियों की संख्या के आधार पर या कॉमन ऑफिस स्थानों को ध्यान में रखते हुए इन बसों के हॉल्ट तय किए जाएंगे। एसी बसों के यात्रियों को ज्यादातर पॉइंट टू पॉइंट सेवा की आदत होती है, जिसे ध्यान में रखा जाएगा। शहर में बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स, वरली, नरीमन पॉइंट, लोअर परेल, प्रभादेवी, बोरीवली, गोरेगांव, अंधेरी जैसे एरिया को टारगेट किया जाएगा। इन बसों में केवल सीटिंग की व्यवस्था होगी, यात्री खड़े नहीं होंगे।

समंदर में सनसनी!

अलीबाग तट पर मिले टेरर के संकेत बोट में मिली 3 एके-47 राइफल

मुंबई, मुंबई के समीप अलीबाग के पास उस वक्त सनसनी फैल गई जब समंदर में तैरते एक बोट में ३ एके-४७ राइफलें मिलीं। एके-४७ मिलने की खबर मिलते ही पुलिस वहां पहुंच गई। चूंकि अतीत में रायगड के तट पर ही हथियारों की सप्लाई हो चुकी है इसलिए इस बार भी घातक हथियार मिलने से इसे टेरर का संकेत समझा गया। मिली जानकारी के अनुसार दो संदिग्ध बोट से एके-४७ रायफल और विस्फोटक बरामद हुए हैं। इन नावों पर एके-४७ के साथ ही जिलेटिन की छड़ें व राइफल के कारतूस भी रखे मिले हैं। पुलिस ने इलाके में हाईअलर्ट घोषित किया है, साथ ही सर्च ऑपरेशन भी चलाया गया। आसपास के लोगों से पूछताछ कर पता लगाया जा रहा है कि हथियारों को लेकर आ रही नाव पर क्या किसी संदिग्ध को देखा गया है? हालांकि पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में किसी आतंकी एंगल की बात सामने नहीं आई है। बताते चलें

कि २६ नवंबर, २००८ को हुए मुंबई आतंकी हमले में नाव के जरिए ही पाकिस्तान से आए आतंकी मुंबई में घुसे थे। कल हथियारों का जखीरा मिलने के बाद शिंदे सरकार का बयान आया है। मंत्री दीपक केसरकर ने कहा है कि ये गंभीर मसला है और मामले की जांच शुरू हो गई है। महाराष्ट्र और मुंबई में समुद्र के रास्ते आतंकी साजिश का पहले भी अलर्ट आता रहा है। ऐसे में इस घटना को सामान्य नहीं माना जा सकता। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां छानबीन में जुटी हैं कि यह किसी बड़े आतंकी हमले की तैयारी तो नहीं थी? इस बीच जब्त हुई नाव पर जिस कंपनी का स्टिकर लगा है, उसका कहना है कि कुछ दिन पहले अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में उसने अपने बोट के डूबने की जानकारी दी थी। कंपनी समुद्री सुरक्षा के काम से जुड़ी हुई है और बताया जा रहा है कि जब्त हुई नाव में मिले हथियार उसी के हैं। महाराष्ट्र पुलिस, एटीएस और क्राइम ब्रांच इस तथ्य की तस्दीक कर रहे हैं। महाराष्ट्र के ७२० किमी लंबे समुद्री किनारे पर हाईअलर्ट घोषित है। सुरक्षा एजेंसियां यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि कहीं त्योहार में किसी आतंकी वारदात को अंजाम देने की साजिश तो नहीं रची जा रही थी? गृहमंत्री ने बताया बोट का नाम 'लेडी हॉन' गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस बारे में कहा कि १६ मीटर लंबी एक दुर्घटनाग्रस्त नौका स्थानीय मछुआरों को मिली है। नौका से तीन एके-४७ राइफल, विस्फोटक सामग्री और कागजात बरामद किए गए हैं। इस घटना के बाद से समुद्री किनारे की नाकाबंदी कर दी गई है और हाईअलर्ट जारी कर दिया गया है। इस बारे में कोस्ट गार्ड और अन्य मशीनरी को सूचना दी गई है। मिली प्राथमिक जानकारी में बोट का नाम 'लेडी हॉन' है। इसकी मालकिन एक ऑस्ट्रेलियन महिला हाना लाउसर्गन है। इस महिला का पति जेम्स हार्बट नौका का कप्तान है। यह नौका मस्कट से यूरोप जा रही थी। रास्ते में नौका का इंजन खराब हो गया। बोट के नाविकों ने मदद के लिए कॉल किया। एक कोरियन युद्ध नौका ने बोट से नाविकों को बाहर निकाला और ओमान के हवाले कर दिया। नौका की टोइंग नहीं की जा सकी, जिसकी वजह से वह समुद्री प्रवाह में भटकती हुई हरिहरेश्वर तट के पास आ लगी।

म्हाडा के माध्यम से आम आदमी को अधिक किफायती मकान उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध - एकनाथ शिंदे

मुंबई। राज्य सरकार महाराष्ट्र आवास और क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा), महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री श्री के माध्यम से आम जनता को किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। एकनाथ शिंदे ने आज पुणे बोर्ड द्वारा फ्लैटों के वितरण के लिए आयोजित कम्प्यूटरीकृत लॉटरी कार्यक्रम के तहत किया। महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री श्री. एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री श्री. इसे आज देवेंद्र फडणवीस ने टेलीविजन प्रणाली के माध्यम से जारी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री. शिंदे बोल रहे थे। आवास विभाग के प्रधान सचिव श्री. मिलिंद म्हैस्कर, 'म्हाडा' के

उपाध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. अनिल दिग्गीकर, नगर विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती सोनिया सेठी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्री. शिंदे ने आगे कहा कि सरकार हमेशा किफायती घर निर्माण में आने वाली बाधाओं को दूर करने का प्रयास कर रही है। सस्ती दर, पारदर्शी कम्प्यूटरीकृत लॉटरी, फ्लैटों की उत्कृष्ट गुणवत्ता, विश्वसनीयता म्हाडा लॉटरी (MHADA Lottery) की विशेषताएं हैं जिन्हें नागरिकों से सहज प्रतिक्रिया मिल रही है। पुणे मंडल के 5 हजार 211 फ्लैटों के आवंटन के लिए 72 हजार आवेदकों द्वारा किया गया आवेदन इस बात का संकेत है. म्हाडा ने सोडती में विभिन्न श्रेणियों के लिए आरक्षण रखकर सामाजिक प्रतिबद्धता की खेती की है। देश के प्रधानमंत्री श्री. नरेंद्र मोदी ने किया है। उक्त योजना को विस्तार देने से निश्चित रूप से आम लोगों की आवास आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी। राज्य सरकार आने वाले समय में इस योजना को और गति देने का प्रयास कर रही है।'

कॉमनवेल्थ गेम के विजेता खिलाड़ियों को सपोर्ट करने पहुँचे संजय श्रवण

कॉमनवेल्थ गेम के विजेता खिलाड़ियों को मुबारकबाद दिया समाजसेवी संजय श्रवण ने

कॉमनवेल्थ गेम-2022 में अच्छा प्रदर्शन करनेवाले खिलाड़ियों के लिए'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन 13 अगस्त 2022 को अशोका होटल,नई दिल्ली किया गया था। जोकि सफलतापूर्वक संम्पन्न हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा मामले एवं खेल मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया और हौसला बढ़ाया। इस अवसर

पर मुंबई से सामाजिक कार्यकर्ता संजय श्रवण और लतेश कुंबले भी वहाँ जाकर लोंगो से बातचीत की और उनको प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर संजय श्रवण ने कहा,"आज की युवापीढ़ी काफी टैलेंटेड है,बस उनका हौसला बढ़ाने की और उनको सुविधा देने की जरूरत है। मोदी सरकार के राज में उनको काफी सुविधा दी जा रही है और उनको समय समय पर इस तरह प्रोत्साहित किया जा रहा। जिससे उनका मनोबल बढ़ेगा।और वे अच्छा करने का प्रयत्न करेंगे,जिससे देश का नाम रोशन होगा। मोदी जी व अनुराग जी को मुबारकबाद देता हूँ, जिनके कारण यह संभव हो सका और सभी खिलाड़ियों को बधाई देता हूँ।"

बच्चे के रोने की परेशानी

हिरल शाह

एक अच्छे रोने से हम सभी को फायदा होता है। यह तनाव मुक्त करता है, चिंता को कम करता है, और कभी-कभी यह केवल प्राणपोषक महसूस करता है। बच्चे, बच्चे और छोटे बच्चे सभी विभिन्न कारणों से रोते हैं। और जबकि यह निराशाजनक लग सकता है, इसका एक उद्देश्य है।

चार प्राथमिक और सार्वभौमिक भावनाएं हैं जो हम सभी साझा करते हैं (यहां तक कि हमारे बच्चे भी!) "क्रोध, खुशी, उदासी और भय - और रोना उन सभी भावनाओं और उनसे जुड़ी भावनाओं की अभिव्यक्ति हो सकती है," डोना हाउसमैन, एडीडी, एक नैदानिक मनोवैज्ञानिक और बोस्टन स्थित हाउसमैन इंस्टीट्यूट के संस्थापक बताते हैं। आमतौर पर, हाउसमैन कहते हैं कि हम दुख के साथ रोते हैं, लेकिन वयस्कों या बच्चों के लिए इनमें से किसी भी भावना का अनुभव करते समय रोना असामान्य नहीं है।

उस ने कहा, अगर ऐसा लगता है कि आपका बच्चा बिना किसी कारण के रो रहा है या असंगत है, तो यह विचार करने योग्य है कि वे क्यों रो रहे हैं, ताकि आप एक उचित और प्रभावी समाधान ढूंढ सकें।

मेरा बच्चा क्यों रो रहा है?

इससे पहले कि हम यह जानें कि आपका बच्चा क्यों रो रहा है, यह बताना महत्वपूर्ण है कि जन्म से ही रोना संचार का एक प्राथमिक साधन है। दूसरे शब्दों में, रोना सामान्य है। दरअसल, अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (एएपी) का कहना है कि जीवन के पहले 3 महीनों में दिन में 2 से 3 घंटे रोना सामान्य माना जाता है।जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, वे अपनी जरूरतों और भावनाओं को दिखाने के अन्य तरीके सीखने लगते हैं, लेकिन रोना उनके लिए ध्यान आकर्षित करने और अपने देखभाल करने वालों के साथ संवाद करने का एक प्रभावी तरीका है।

वे भूखे हैं

यदि आप भोजन के समय के करीब आ रहे हैं और आपका छोटा बच्चा उपद्रव करना शुरू कर रहा है, तो भूख पर विचार करने वाली पहली चीज है। सिएटल चिल्ड्रन हॉस्पिटल के विशेषज्ञों के अनुसार, शिशुओं में रोने का यह सबसे आम कारण है।

वे दर्द या बेचैनी महसूस कर रहे हैं

दर्द और बेचैनी जो आप नहीं देख सकते, अक्सर आपके बच्चे के रोने के कारण होते हैं। पेट में दर्द, गैस, बालों का टूटना, और कान का दर्द कुछ ऐसे उदाहरण हैं जिन पर बच्चों को विचार करना चाहिए।

यदि आपका बच्चा बड़ा है, तो वे आपको बताएंगे कि क्या कुछ दर्द होता है। उस ने कहा, यह देखने के लिए कुछ प्रश्नों के माध्यम से चलने में कुछ समय लग सकता है कि क्या वे विशेष रूप से गलत की पहचान कर सकते हैं। यह आपको ऐसी किसी भी आंतरिक चीज़ को बाहर निकालने में मदद करेगा जिसे आप नहीं देख सकते।

वे थके हुए हैं

चाहे वह दोपहर का मेल्टडाउन हो या बिस्तर से पहले का टैंट्रम, सभी उम्र के बच्चे अत्यधिक थके होने पर खुद को आँसुओं के दलदल में पा सकते हैं। वास्तव में, बच्चों के रोने के शीर्ष कारणों में भूख के बाद नींद की आवश्यकता दूसरे स्थान पर होती है।

वे अतिउत्तेजित हैं

ओवरस्टिम्यूलेशन सभी उम्र के बच्चों के लिए एक ट्रिगर है। शिशुओं और पूर्वस्कूली उम्र के बच्चों में, बहुत अधिक शोर, दृश्य प्रभाव, या लोग रोने का कारण बन सकते हैं। आप देख सकते हैं कि आपका बच्चा रोने से पहले चारों ओर देख रहा है या आपके पैर के पीछे या कोने में आश्रय लेने की कोशिश कर रहा है।

उन्हें ध्यान देने की जरूरत है

कभी-कभी बच्चों को केवल हमारे ध्यान की आवश्यकता होती है, और वे नहीं जानते या नहीं जानते कि इसे कैसे मांगना है। यदि आपने रोने के अन्य सभी कारणों से इंकार किया है, जैसे कि भूख, थकान, अतिउत्तेजना और निराशा, तो यह समय खुद से पूछने का हो सकता है कि क्या उन्हें आपके साथ कुछ समय चाहिए।

वे अलगाव की चिंता महसूस कर रहे हैं

आपके बच्चे के जीवन में किसी भी समय अलगाव की चिंता हो सकती है, लेकिन इंडियानापोलिस में रिले चिल्ड्रन हेल्थ के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ बेकी डिक्सन का कहना है कि 12 से 20 महीने की उम्र सामान्य है।

अध्ययन में दावा: यह एक आसान सी आदत डायबिटीज रोगियों के लिए हो सकती है रामबाण, ब्लड शुगर रहेगा कंट्रोल

चार्ल्स पटेल

डायबिटीज वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। दुनियाभर में लाखों लोग इससे पीड़ित हैं। रक्त में ग्लूकोज की मात्रा का लगातार बढ़ा रहना डायबिटीज का कारण बन सकता है, विशेषज्ञ इसे साइलेंट किलर डिजीज के रूप में भी वर्गीकृत करते हैं। अगर डायबिटीज पर ध्यान न दिया जाए तो यह शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचा सकती है, बहुत अधिक ब्लड शुगर बढ़ने के कारण मल्टी-ऑर्गन फेलियर का खतरा भी रहता है। ऐसे में जिन लोगों में डायबिटीज का समस्या है या जिनमें इसका खतरा है, सभी लोगों को विशेषज्ञ इसे कंट्रोल में रखने के उपाय करते रहने की सलाह देते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, आहार और जीवनशैली को ठीक रखकर डायबिटीज को कंट्रोल रखा जा सकता है। इसके अलावा कुछ बातों का ध्यान रखकर आप इसे बढ़ने से रोक सकते हैं।

हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने ऐसे ही एक बेहद कारगर तरीके के बारे में बताया है। जर्नल स्पोर्ट्स मेडिसिन में हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि यदि आप भोजन के एक से डेढ़ घंटे के भीतर थोड़ी देर के लिए वॉक करने की आदत बना लेते हैं तो यह टाइप-2 डायबिटीज की जटिलताओं को कम करने में आपके लिए बहुत मददगार हो सकता है। आइए इस अध्ययन के बारे में विस्तार से जानते हैं।

भोजन के बाद वॉक की बनाइए आदत

शोधकर्ता कहते हैं, अक्सर हम सभी खाना खाने के बाद या तो तुरंत अपने काम पर लग जाते हैं या फिर रात में तुरंत ही सोने के लिए चले जाते हैं। इस तरह की आदत मेटाबॉलिज्म को प्रभावित कर सकती है जिसके कारण ब्लड शुगर लेवल बढ़ने का खतरा रहता है। इस आदत में छोटा सा बदलाव, आपको गंभीर समस्याओं से बचा सकता है। भोजन के 60-90 मिनट के भीतर 10 मिनट की छोटी सी वॉक भी आपके मेटाबॉलिज्म को ठीक रखने में सहायक हो सकती है। ऐसी आदत बनाकर आप डायबिटीज की कई तरह की जटिलताओं से खुद को सुरक्षित रख सकते हैं।

अध्ययन में क्या पता चला?

डायबिटीज को कैसे नियंत्रित रखा जा सकता है इस बारे में शोध कर रही विशेषज्ञों की टीम ने सात अध्ययनों के निष्कर्षों की जांच की। इसमें इंसुलिन और रक्त शर्करा के स्तर सहित, हृदय की समस्या और कई अन्य पहलुओं पर विस्तार से नजर रखा गया। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि जिन प्रतिभागियों ने भोजन के बाद दो से पांच मिनट तक भी वॉक की, उनके ब्लड शुगर के लेवल में अन्य लोगों की तुलना में बेहतर सुधार दर्ज किया गया।

हालांकि शोधकर्ताओं का कहना है कि जिन लोगों को डायबिटीज के साथ पहले से ही हृदय रोगों की भी समस्या है उन्हें भोजन के बाद वॉक करने को लेकर अपने डॉक्टर से सलाह जरूर ले लेना चाहिए।

क्या कहते हैं शोधकर्ता?

अध्ययन लेखक और लिमरिक यूनिवर्सिटी में फिजिकल एजुकेशन के प्रोफेसर एडन बफे कहते हैं, खड़े होने और चलने के दौरान स्वाभाविक तौर पर मांसपेशियों में संकुचन होता है, जिसके लिए शरीर का ग्लूकोज प्रयोग में लाया जाता है। खाने के बाद स्वाभाविक रूप से ग्लूकोज का लेवल बढ़ जाता है, ऐसे में यदि आप ग्लूकोज पीक पर पहुंचने से पहले हल्के स्तर की शारीरिक गतिविधि करते हैं आमतौर पर भोजन के 60 से 90 मिनट भीतर, तो यह ग्लूकोज स्पाइक को कंट्रोल करने का सबसे कारगर तरीका हो सकता है।

छोटी सी आदत के बड़े फायदे

टेक्सास स्थित ह्यूस्टन मेथोडिस्ट हॉस्पिटल में हृदय रोग विशेषज्ञ केर्शव पटेल कहते हैं, अक्सर हम ऐसी छोटी-छोटी बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं पर इनसे सेहत को विशेष लाभ मिल सकता है। जिस तरह से दुनियाभर में डायबिटीज के रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है, ऐसे में इस तरह के छोटे-छोटे तरीके आपको बड़े लाभ दे सकते हैं।

डायबिटीज मेटाबॉलिज्म में गड़बड़ी के कारण होने वाली समस्या है और खाने के बाद वॉक की आदत बनाकर आप इसमें लाभ पा सकते हैं। यदि आपको डायबिटीज नहीं भी है तो भी यह आदत बनाइए, इससे सेहत को कई प्रकार से लाभ मिल सकता है।

बच्चों का समय पर टीकाकरण बहुत आवश्यक

रंजनबेन मसोया

बच्चों के बेहतर सेहत के लिए उनका समय-समय पर टीकाकरण कराते रहना बहुत जरूरी है, यह उन्हें गंभीर संक्रमण और कई प्रकार की जानलेवा बीमारियों से सुरक्षित रखने में मदद करता है। टीकाकरण का ही प्रभाव है कि दो-तीन दशक पहले तक जिन बीमारियों के कारण बच्चों में सबसे अधिक मृत्यु के मामले देखे जाते रहे थे,वह अब लगभग न की स्थिति में हैं।

हालांकि पिछले कुछ वर्षों में जिस प्रकार से कई संक्रामक बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ा हुआ देखा गया है, इनसे बच्चों को बचाने के लिए टीकाकरण और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चे निश्चित उम्र में कुछ बीमारियों के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं, ऐसे में टीके प्रभावी तभी होते हैं जब उन्हें सही उम्र सुझाई गई मात्रा में दिया जाए। बच्चों के बेहतर सेहत को सुनिश्चित करने के लिए यूनिसेफ ने टीकाकरण की आवश्यकताओं पर जोर दिया है। जिन बच्चों को समय पर टीका नहीं लग पाता है उनमें कई प्रकार की बीमारियों के विकसित होने का खतरा रहता है, उदाहरण के लिए पोलियो जैसी बीमारियां पूरे जीवन की गुणवत्ता को खराब कर सकती हैं। यूनिसेफ कहता है सभी माता-पिता को बच्चों में टीकाकरण की आवश्यकताओं और इससे होने वाले फायदों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए, जिससे हम बच्चों को स्वस्थ भविष्य का उपहार दे सकें। आइए जानते हैं कि बच्चों को कब-कब किन टीकों को लगवाना बहुत आवश्यक है, इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं की जानी चाहिए।

जन्म के समय टीकाकरण

विशेषज्ञ बताते हैं, बच्चों को जन्म से लेकर 16 साल तक नियमित अंतराल पर टीकाकरण की आवश्यकता होती है।

जन्म के समय बैसिलस कैलमेट-गुएरिन (बी.सी.जी), पोलियो की पहली खुराक, हेपेटाइटिस बी के टीके लगाए जाते हैं। पोलियो की ओरल वैक्सीन बच्चों को पांच साल की उम्र तक दी जाती है। यह उनमें लकवे की समस्या को दूर रखने में मदद करती है। भारत फिलहाल पोलियो मुक्त देशों की सूची में है। कई बीमारियों पर टीकाकरण के ही चलते भारत ने बेहतर ढंग से नियंत्रण भी पा लिया है।

जन्म के छह महीने से एक साल का टीकाकरण जन्म के छठवें माह में पोलियो की दूसरी खुराक दी जाती है। यह टीका पोलियो वायरस से बचाता है जो अत्यधिक संक्रामक रोग है और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर लकवा का कारण बनता है। यह वायरस मुख्य रूप से 5 साल से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है।

छठे महीने में पेंटावैलेंट टीका भी दिया जाता है,

यह टीका पांच घातक रोगों गलघोंटू, परटूसिस (काली खांसी), टेटनेस,

हेपेटाइटिस बी और हिमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी (हिब) से सुरक्षा देता है। इसके साथ रोटावायरस और न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन भी दी जाती है।

अक्सर बनी रहती है पाचन की समस्या? कहीं यह डायबिटीज का संकेत तो नहीं?

मधुमेह मौजूद समय की सबसे तेजी से बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ने के कारण होने वाली यह समस्या शरीर को कई प्रकार से प्रभावित कर सकती है। जिन लोगों का ब्लड शुगर लेवल अक्सर अनियंत्रित बना रहता है, ऐसे लोगों में किडनी, आंख सहित शरीर के अन्य अंगों में भी कई तरह की दिक्कतों का जोखिम काफी बढ़ जाता है। डायबिटीज या मधुमेह मुख्य रूप से दो प्रकार का होता है- टाइप-1 डायबिटीज और टाइप-2 डायबिटीज। इन स्थितियों में शरीर इंसुलिन नामक हार्मोन्स का सही तरीके से उपयोग नहीं कर पाता है।

टाइप-2 डायबिटीज में शरीर या तो पर्याप्त इंसुलिन नहीं बनाता है या इंसुलिन का प्रतिरोध करता है। यह स्थिति रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ा देती है, जिससे तरह की जटिलताएं हो सकती हैं।सामान्यतौर पर घाव न भरने, कमजोरी, धुंधला दिखाई देने जैसे लक्षणों के आधार पर डायबिटीज की समस्या का पहचान किया जाता है, पर क्या आप जानते हैं कि पेट में गड़बड़ी की समस्या भी डायबिटीज की तरफ संकेत हो सकती है? आइए जानते हैं कि डायबिटीज में पाचन की किस तरह की समस्याएं हो सकती हैं, किन लक्षणों के आधार पर इस समस्या का निदान किया जा सकता है?

क्या डायबिटीज के कारण पाचन की भी हो सकती हैं दिक्कतें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, डायबिटीज की समस्या को मुख्यरूप से किडनी, आंखों की दिक्कतों वाला माना जाता रहा है, पर यह आपके पाचन तंत्र की सेहत को भी प्रभावित कर सकती है। शरीर में ब्लड शुगर का स्तर बढ़ना जठरांत्र संबंधी मार्ग को प्रभावित कर सकता है, जिसके कारण पेट से संबंधित कई तरह की दिक्कतों का जोखिम बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि चूंकि ब्लड शुगर का बढ़ना तंत्रिकाओं को भी क्षति पहुंचाता है, ऐसे में यह गैस्ट्रोइंटस्टाइनल समस्याओं का कारण बनती है।अध्ययनों से पता चलता है कि जब हाई डायबिटीज के कारण तंत्रिकाएं प्रभावित हो जाती है तो इस स्थिति में पेट के अंग और अन्नप्रणाली ठीक तरीके से काम नहीं कर पाती है जिसके कारण कई तरह की दिक्कतों का जोखिम बढ़ जाता है। आइए जानते हैं कि इन स्थितियों में किस तरह की दिक्कतें हो सकती हैं?जिन लोगों का ब्लड शुगर लेवल अक्सर बढ़ा रहता है ऐसे लोगों में पाचन की गड़बड़ी की समस्या अधिक देखी जाती है,

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : अगस्त का यह सप्ताह धन प्रदायक रहेगा। अपनी वाणी के बल पर अच्छा धन अर्जित करने में कामयाब होंगे। परिवार के साथ आपका सामंजस्य अच्छा रहेगा। पुराने निवेश से लाभ प्राप्त होगा, लेकिन सलाह है कि नया निवेश करने से बचें। यदि करना ही है तो अनुभवी और बुजुर्ग लोगों की सलाह अवश्य लें।

वृषभ : सप्ताह में अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। गले संबंधी रोग परेशान करेंगे। इस सप्ताह आप बौद्धिक कार्यो में सफलता प्राप्त करेंगे। व्यापारियों को कोई नया अनुबंध होगा। जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा। व्यापारियों को कार्य पर विशेष ध्यान देना है। बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए इनोवेटिव तरीके सोचना होंगे।

मिथुन : सप्ताह खर्चीला रहेगा। पारिवारिक जरूरतों पर खर्च अधिक होगा। व्यापारी बंधुओं को अपने कार्य पर फोकस करते हुए आगे बढ़ना है। भावुकता या किसी के बहकावे में आकर कोई काम न करें। परिवार के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे, लेकिन भाई-बंधुओं के साथ मनमुटाव हो सकता है।

कर्क: पैसों की बचत करने की आदत डालनी होगी, वरना भविष्य में अचानक आई जरूरतों में पस्त हो जाएंगे। व्यापारियों को कार्य विस्तार का प्लान बनाने की जरूरत है और नौकरीपेशा लोगों को आर्थिक लाभ होने की संभावना कम है, लेकिन भविष्य के लिए आपको विस्तृत योजना बनानी चाहिए। विद्यार्थी वर्ग मानसिक रूप सेथोड़ा परेशान रहेंगे।

सिंह : सप्ताह शुभ रहेगा। पारिवारिक मेलजोल होगा। विद्यार्थी वर्ग को फोकस अपने कॅरियर पर रखना होगा। नौकरीपेशा के वर्तमान कार्य में बदलाव आने की पूर्ण संभावना है। बिजनेस प्रभावित होगा। कृषि कार्यो से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह चुनौतीपूर्ण रहेगा। कार्यभार की अधिकता के कारण शारीरिक रूप से कमजोर महसूस कर सकते हैं।

कन्या : सप्ताह भाग्योदयकारक है। कार्यो में तरक्की मिलने की संभावना है। लेखन, साहित्य और सृजनात्मक कार्य करने वाले जातक अपने कार्य में इनोवेशन करने का प्रयास करें। परिवार में सामंजस्य रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। खर्च में कमी आएगी। इस सप्ताह कोई बहुत पुराना अटका हुआ काम हो जाने से मन में प्रसन्नता रहेगी।

तुला : सप्ताह सावधानी से चलने का है। किसी से विवाद हो सकता है। आपके द्वारा लिए गए तमाम निर्णय उलटे पड़ सकते हैं, इसलिए जो भी करें अच्छी तरह सोच-विचारकर करें। खासकर आर्थिक मामलों में ज्यादा सजग रहने की जरूरत है। व्यापार व्यवसाय में कुछ परेशानी आ सकती है। प्रतिस्पर्धी काम अटका सकते हैं।

वृश्चिक : यदि पार्टनरशिप में आपका कोई बिजनेस चल रहा है तो उसमें आप अधिक सफलता अर्जित करेंगे। प्रेम संबंधों में नकारात्मकता हावी ना होने दें, अपनी वाणी संयमित रखें वरना प्रेम संबंध टूट सकते हैं। सप्ताह में जीवनसाथी के साथ संतुलन बनाने का समय है। वैवाहिक, दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। शारीरिक रूप से अस्वस्थ हो सकते हैं।

धनु : कार्यक्षेत्र में चुनौतियां बढ़ने वाली है। चाहे आप बिजनेस कर रहे हैं या नौकरी, हर तरह का संकट आप पर बना हुआ है। कार्यक्षेत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण मानसिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे। ऐसे में स्वास्थ्य बिगड़ने का खतरा है। हालांकियदि आप अपने भरोसेमंद लोगों को साथ लेकर काम करेंगे तो संकट से उबर जाएंगे।

मकर : इस सप्ताह अपनी बौद्धिक क्षमता और वाणी के दम पर सफलता हासिल करेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में आपको नए अवसर प्राप्त होंगे। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। बिजनेस से जुड़े लोगों के लिए वक्त चुनौतीपूर्ण है, लेकिन इन्हीं चुनौतियों से निकलने का रास्ता आपके नवाचार में छुपा है। नौकरीपेशा लोगों को भागदौड़ और कार्य की अधिकता रहेगी।

कुंभ : यह सप्ताह सुखों में वृद्धि करने वाला साबित होगा। आपको भौतिक सुख सुविधाएं प्राप्त होंगी, लेकिन भविष्य में इन्हें बरकरार रखने और इनमें वृद्धि करने के लिए फोकस अपने बिजनेस पर करें। माता-पिता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा। स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई मानसिक रोग परेशान कर सकता है।

मीन : यह सप्ताह पारिवारिक मेलजोल वाला रहेगा। भाई-बहन, रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। इस सप्ताह अपने भविष्य से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेंगे और आपके द्वारा लिए गए निर्णय भविष्य में आगे बढ़ने में मदद करेंगे। बिजनेस में विस्तार फिलहाल नहीं हो पाएगा। नौकरीपेशा को संकटपूर्ण स्थिति में भी कार्य की अधिकता रहेगी।

चुटकुले

पत्नी- एक बात बताओ जी, जब हमारी नयी नयी शादी हुई थी, तो जब मैं खाना बना कर लाती थी तो तुम खुद कम खाते थे,
मुझे ज्यादा खिलाते थे।
गोलू – तो ?
पत्नी – तो अब ऐसा क्यों नहीं करते ?
गोलू – क्यूंकि अब तुम अच्छा खाना बनाना सीख गयी हो…

सोनू- यार मोनू तू हमेशा मेरे साथ रहा है
जब मेरा एक्सीडेंट हुआ तब भी जब मेरी नौकरी चली गई तब भी जब मेरे पापा ने मुझे घर से लात मारकर निकाल दिया तब भी...तू मेरे साथ था...
मोनू- मैं हमेशा तेरे हर बुरे समय में साथ रहूंगा मेरे दोस्त
सोनू- अरे दूर हट मुझसे लगता है तू ही पनौती है

पश्चिम रेलवे पर मनाया गया 'सद्भावना दिवस'

पश्चिम रेलवे पर 18 अगस्त को सद्भावना दिवस मनाया गया। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक (प्रभारी) प्रकाश बुटानी ने सभी रेल अधिकारियों और कर्मचारियों को चर्चगेट स्थित मुख्यालय भवन में सद्भावना शपथ दिलाई। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर बुटानी ने भारतीय रेलवे की प्रगति के लिए एक समान लक्ष्य के साथ एक टीम के रूप में काम करने तथा सामाजिक सद्भाव और सभी धर्मों का आदर सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में पश्चिम रेलवे के प्रधान विभागाध्यक्षों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। पश्चिम रेलवे के सभी मंडलों में संबंधित मंडल रेल प्रबंधकों द्वारा भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सद्भावना शपथ दिलाई गई।

राज्य सांख्यिकी आयोग का होगा गठन

सटीक आंकड़ों से योजनाओं का क्रियान्वयन संभव: शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आर्थिक गतिविधियों के तथ्यात्मक और सटीक आंकड़े उपलब्ध हों तो योजनाओं का क्रियान्वयन अच्छे ढंग से संभव होता है। परिवर्तन के इस दौर में सटीक आंकड़े उपलब्ध नहीं हो तो नीति अच्छी नहीं बन पायेगी। योजनाओं के निर्माण से लेकर क्रियान्वयन तक का दारोमदार आंकड़ों पर ही निर्भर करता है। मुख्यमंत्री चौहान कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद के अनुमान तैयार करने की कार्य पद्धति एवं गणना पर प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला के समापन-सत्र को संबोधित कर रहे थे। वाणिज्यिक कर, वित्त, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री जगदीश देवड़ा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि टास्क फोर्स कमेटी की अनुशंसा के आधार पर मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहाँ राज्य सांख्यिकी आयोग का गठन हो रहा है। राज्य और जिला स्तर पर पूर्ण कम्प्यूटराइजेशन का निर्णय लिया गया है। इससे काम करना आसान हो जायेगा। डेटा के मानकीकरण के लिए सांख्यिकी प्रकोष्ठ का निर्माण किया गया है। देश और प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए लक्ष्य तय करना पड़ेंगे। बिना बड़ा लक्ष्य निर्धारित किए हम बहुत आगे नहीं बढ़ सकते हैं। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि हमारे दैनिक जीवन की गतिविधियों का आधार भी डेटा होता है। किसी भी क्षेत्र में बिना डेटा के कार्य नहीं चल सकता। वर्तमान सदी डेटा पर निर्भर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्म-निर्भर भारत की परिकल्पना के लिए डेटा पर बल दिया है। डेटा शुद्ध विश्वसनीय हो, जिससे योजनाएँ अच्छी बनें और उनका नीचे तक लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि डेटा कलेक्शन के लिए ट्रेनिंग और आवश्यक व्यवस्थाएँ करेंगे। डेटा की विश्वसनीयता के लिए दूसरी एजेंसियों का दखल नहीं होना चाहिए। डेटा जनोपयोगी और गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। डेटा खराब होगा तो निष्कर्ष भी खराब निकलेंगे। हमें अच्छे डेटा की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि 550 अरब डॉलर का योगदान प्रदेश की ओर से भारत की 5 ट्रिलियन की अर्थ-व्यवस्था बनाने में दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि मनुष्य जैसा सोचता और करता है, वैसा हो जाता है। इसलिए यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने का निर्णय लिया गया है। इस प्रकार के प्रशिक्षण निरंतर होते रहेंगे। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. सचिन चतुर्वेदी ने कहा कि सांख्यिकी का हर विभाग में महत्व है। राज्यों के विकास के लिए सकल घरेलू उत्पाद के अनुमान महत्वपूर्ण होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कहा है भारत का लक्ष्य 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थ-व्यवस्था का है। इसी गति से अर्थ-व्यवस्था में बढ़ोत्तरी होगी तो वर्ष 2025-26 में 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थ-व्यवस्था का लक्ष्य हासिल हो जायेगा। मध्यप्रदेश सबसे तेज गति से आगे बढ़ता प्रदेश है। प्रदेश स्तर पर जो कार्य हो रहा है उसे जिला स्तर पर भी करना होगा।

अहमदाबाद मंडल पर मनाया गया 'सद्भावना दिवस'

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर सद्भावना दिवस के उपलक्ष्य में मण्डल रेल प्रबंधक तरुण जैन ने मण्डल कार्यालय अहमदाबाद में सभी अधिकारी एवं रेल कर्मचारियों को सद्भावना शपथ दिलाई। मण्डल रेल प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि भूतपूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की याद में हम उनके जन्म दिवस 20 अगस्त को सद्भावना दिवस के रूप में हर साल मनाते हैं। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर रेलवे के सभी भाषा-भाषी, विभिन्न धर्मों में आस्था रखने वाले कर्मचारियों में राष्ट्रीय एकता तथा अखंडता के प्रति भावना को सुदृढ़ कर भाईचारे की भावना को विकसित करने हेतु मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा इस आशय की प्रतिज्ञा ली गई। उन्होंने बताया कि मण्डल रेल प्रबंधक जैन भारतीय रेलवे की प्रगति के लिए एक समान लक्ष्य के साथ एक टीम के रूप में काम करने और सामाजिक सद्भाव और सभी धर्मों को सम्मान सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कांग्रेस ने कन्नूर विवि में विवादित नियुक्ति को रोकने के राज्यपाल के फैसले का समर्थन किया

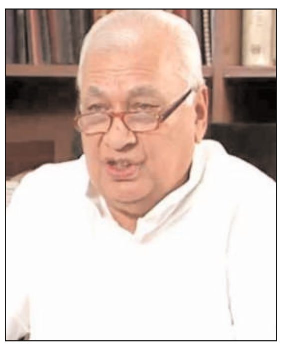

केरल में विपक्षी कांग्रेस ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की ओर से कन्नूर विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर की विवादित नियुक्ति रोकने का बृहस्पतिवार को समर्थन किया और कहा कि राज्यपाल ने कुलाधिपति के रूप में अपनी क्षमता के अनुसार कानूनी रूप से कार्य किया है। वहीं सत्तारूढ़ माकपा ने आरोप लगाया कि केंद्र अपने राजनीतिक उद्देश्य साधने के लिए राज्यपाल का इस्तेमाल कर रहा है। कन्नूर विश्वविद्यालय ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के निजी सचिव केके राजेश की पत्नी प्रिया वर्गीज को मलयालम विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के तौर पर नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया था। इससे विवाद हो गया, क्योंकि वर्गीज के अनुसंधान में सबसे कम अंक थे जबकि साक्षात्कार में उन्हें सबसे ज्यादा अंक मिले और उन्हें चयन प्रक्रिया में प्रथम घोषित किया गया। बुधवार रात को राज्यपाल ने इस नियुक्ति को रोक दिया। प्रस्तावित नियुक्ति को रोकने के राज्यपाल की कार्वाई को जायज़ बताते हुए विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने कहा कि खान ने वास्तव में अपनी शक्ति का इस्तेमाल कन्नूर विश्वविद्यालय में अवैध नियुक्ति के प्रयास को रोकने के लिए किया। उन्होंने मांग की कि राज्यभर के अन्य विश्वविद्यालयों में पिछले छह बरसों में सत्तारूढ़ दल के नेताओं के करीबी रिश्तेदारों की इसी तरह की कथित नियुक्तियों की व्यापक जांच की जानी चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने अपना आरोप दोहराया कि राज्य के विश्वविद्यालयों में संकाय पद माकपा नेताओं के रिश्तेदारों के लिए आरक्षित हैं। उन्होंने कहा, योग्य व्यक्तियों (नौकरी के इच्छुक) को खुले तौर पर न्याय से वंचित किया गया है। पिछले छह साल में भी ऐसा ही हुआ है। राज्यपाल को ऐसी सभी नियुक्तियों की जांच के लिए कदम उठाने चाहिए और उन्हें रद्द करना चाहिए। सतीशन यहां जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) कार्यालय में पार्टी के एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बात कर रहे थे।

वडोदरा मंडल पर मनाया गया सद्भावना दिवस

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल पर सद्भावना दिवस का आयोजन किया गया।
डीआरएम अमित गुप्ता ने मंडल कार्यालय प्रतापनगर स्थित लान में उपस्थित सभी रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जाति, संप्रदाय, क्षेत्र, धर्म अथवा भाषा का भेदभाव किए बिना भारतवासियों की भावनात्मक एकता एवं सद्भावना के लिए कार्य करने तथा सभी मतभेदों को बिना हिंसा का सहारा लिए बातचीत एवं सवैधानिक माध्यमों के सहारे सुलझाने की शपथ दिलाई।

बिल्कीस बानो के बलात्कारियों का स्वागत करना समाज के मुंह पर तमाचा: कविता

तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) की विधान परिषद सदस्य के. कविता ने 2002 गुजरात दंगों में बिल्कीस बानो के सामूहिक बलात्कार एवं उनके परिजन की हत्या से संबंधित मामले के 11 दोषियों का स्वागत किए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि जेल से छूटकर आए बलात्कारियों और हत्यारों का एक विशेष विचारधारा के लोगों द्वारा स्वागत किया जाना एक सभ्य समाज के मुंह पर तमाचा है। तेलंगाना विधान परिषद की सदस्य कविता ने ट्वीट किया कि इस अत्यंत खतरनाक परंपरा को शुरुआत में ही रोक देना जरूरी है। उन्होंने ट्वीट किया, एक स्त्री होने के नाते मैं बिल्कीस बानो के दर्द और भय को महसूस कर सकती हूं। जेल से छूटकर आने पर बलात्कारियों एवं हत्यारों का जिस तरह से सम्मान किया गया, वह सभ्य समाज के मुंह पर एक तमाचा है। विरासत का रूप लेने से पहले इस बेहद खतरनाक परंपरा को रोकना जरूरी है। गुजरात में गोधरा कांड के बाद 2002 में दंगों के दौरान बिल्कीस बानो से सामूहिक बलात्कार किए जाने के मामले में उम्रकैद की सजा पाए सभी 11 दोषियों को सोमवार को गोधरा उप-कारागार से रिहा कर दिया गया। गुजरात सरकार ने अपनी क्षमा नीति के तहत इनकी रिहाई की मंजूरी दी। मुंबई में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक विशेष अदालत ने 11 दोषियों को 21 जनवरी, 2008 को सामूहिक बलात्कार और बिल्कीस बानो के परिवार के सात सदस्यों की हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। बाद में बंबई उच्च न्यायालय ने उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखा था। तीन मार्च, 2002 को गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के दौरान दाहोद जिले के लिमखेड़ा तालुका के रंधिकपुर गांव में भीड़ ने बिल्कीस बानो के परिवार पर हमला किया था। बिल्कीस उस समय पांच महीने की गर्भवती थीं। उनके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या कर दी गई।

जबलपुर में आरटीओ अधिकारी के ठिकानों पर ईओडब्ल्यू का छापा

जबलपुर। मध्य प्रदेश पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने जबलपुर शहर के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के एक अधिकारी और उनकी पत्नी के तीन ठिकानों पर छापा मारकर 16 लाख रुपए नकद बरामद किए और अन्य संपत्तियों का खुलासा किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ईओडब्ल्यू के पुलिस अधीक्षक देवेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि छापे में अधिकारी और उनकी पत्नी के पास आय के ज्ञात स्रोतों की तुलना में 650 गुना अधिक संपत्ति होने का खुलासा हुआ है। संतोष पॉल और आरटीओ कार्यालय में लिपिक के पद पर काम करने वाली उनकी पत्नी लेखा पाल के घर पर छापेमारी शुरु हुई।

आदिवासियों/मूल निवासियों के संपत्ति-अधिकारों को संरक्षित करने का हो रहा काम : हेमंत

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा है कि आदिवासियों एवं मूलवासियों के हक और अधिकार के लिए सरकार सदैव उनके साथ है। हम कहने में नहीं करने में विश्वास रखते हैं। आज गांव-गांव तक यह संदेश जा रहा है कि उनके हित के लिए सरकार उनके साथ खड़ी है। हमारा लगातार प्रयास है कि राज्य की जनजाति, मूलनिवासी के उत्थान के लिए कार्य करें। वे आज मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पायलट प्रोजेक्ट नेतरहाट फील्ड फायरिंग रेंज विरोधी केंद्रीय जनसंघर्ष समिति, लातेहार-गुमला के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने नेतरहाट फील्ड फायरिंग रेंज का अवधि विस्तार नहीं करने के मुख्यमंत्री के निर्णय पर आभार व्यक्त किया। साथ ही पगड़ी पहनाकर एवं शॉल भेंट कर उन्हें सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि 28-30 साल से चल रहे इस आंदोलन में आज मूल निवासियों के हित में सरकार ने फैसला लिया है। फायरिंग रेंज में आने वाले 1471 वर्ग किलोमीटर भूमि पर अब वहाँ के गरीबों का अधिकार हो, इससे संबंधित प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने का काम किया जा रहा है।

नीतीश ने इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान जाकर विकास मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव का कुशलक्षेम पूछा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज ऊर्जा सह योजना एवं विकास मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव का कुशलक्षेम जानने इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) पटना पहुँचे। आईजीआईएमएस के एसीसीयू यूनिट पहुँचकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिजेन्द्र प्रसाद यादव से उनका हालचाल जाना। मुख्यमंत्री ने चिकित्सा कर रहे चिकित्सकों से इलाज के बारे में भी अद्यतन जानकारी ली। इस दौरान उप मुख्यमंत्री सह स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य प्रत्यय अमृत, आईजीआईएमएस के मेडिकल सुप्रीटेंडेंट डॉ. मनीष मंडल और डॉ. कृष्ण गोपाल सहित अन्य वरीय चिकित्सक उपस्थित थे। मुलाकात के पश्चात् मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुये कहा कि बिजेंद्र प्रसाद यादव को यहां देखने आए थे, उनकी तबीयत पहले से ठीक है। कल राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से हुई मुलाकात को लेकर पत्रकारों द्वारा पूछे गए प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा उनसे पुराना संबंध है। हमलोग एक साथ हैं, पहले से संबंध है। भाजपा द्वारा फिर से जंगलराज आने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा- जिसको जो मन में आता है बोलने दीजिए, जब जरूरत होगी तो सारी बात बोलेंगे। प्रचार-प्रसार में लोग बोलते हैं, इसका कोई मतलब नहीं है। तेजी से और काम किया जाएगा, चिंता न करें। विधि मंत्री कार्तिक कुमार पर लगे आरोपों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वो सब देखा जा रहा है कि मामला क्या है। जदयू विधायक बीमा भारती द्वारा लेशी सिंह को मंत्री बनाए जाने के विरोध में दिए गए बयान को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि लेशी सिंह वर्ष 2013 में मंत्री बनीं, फिर वर्ष 2014 में मंत्री बनीं और फिर वर्ष 2019 में मंत्री बनीं। इस बार भी मंत्री बनी हैं। इस तरह की बात नहीं बोलनी चाहिए।

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने किया हवाई सर्वेक्षण

ओडिशा में बाढ़ से करीब पांच लाख लोग प्रभावित

एसआरसी पी के जेना के मुताबिक राज्य सरकार को कटक और बालासोर से दो नाबालिगों के लापता होने की सूचना मिली है और इसको लेकर संबंधित जिलाधिकारी जानकारी जुटाने के लिए पूछताछ कर रहे हैं।

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक बृहस्पतिवार को महानदी नदी क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। राज्य में बाढ़ के कारण 12 जिलों के करीब पांच लाख लोग प्रभावित हुए हैं। विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) पी के जेना ने कहा कि मुख्यमंत्री महानदी डेल्टा क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेंगे। बाढ़ के कारण केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, खुर्दा, पुरी और कटक जिला सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इससे पहले संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया था कि भारी बारिश के कारण आई बाढ़ में कोई हताहत नहीं हो यह सुनिश्चित किया जाए। एसआरसी पी के जेना के मुताबिक राज्य सरकार को कटक और बालासोर से दो नाबालिगों के लापता होने की सूचना मिली है और इसको लेकर संबंधित जिलाधिकारी जानकारी जुटाने के लिए पूछताछ कर रहे हैं। मौसम विभाग ने कहा कि पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पूर्वी और आसपास के इलाकों में निम्न दबाव का क्षेत्र बन गया है। मौसम विभाग ने सुबह नौ बजे के बुलेटिन में कहा कि निम्न दबाव के क्षेत्र के पूर्वी-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 12 घंटों के दौरान और अधिक मजबूत होने तथा बाद के 24 घंटों के दौरान अत्यधिक मजबूत होने की संभावना है। एसआरसी पी के जेना ने कहा कि राज्य सरकार बृहस्पतिवार को बने नए निम्न दबाव के क्षेत्र के कारण अब एक बार फिर से भारी बारिश की संभावित स्थिति से निपटने के लिए कमर कस रही है। मौसम विभाग ने ओडिशा के उत्तरी क्षेत्र में भारी बारिश की संभावना जताई है। सरकार ने मयूरभंज, क्योंझर, बालासोर, भद्रक और जाजपुर के जिलाधिकारियों को सतर्क रहने को कहा है। एक अन्य अधिकारी के मुताबिक महानदी नदी क्षेत्र में आई बाढ़ से 12 जिलों के 4.67 लाख से अधिक लोग पहले ही प्रभावित हो चुके हैं।

कर्नाटक सरकार ने सभी विद्यालयों और पीयू महाविद्यालयों में राष्ट्रगान अनिवार्य किया

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने एक आदेश जारी कर राज्य के सभी विद्यालयों और प्री-यूनिवर्सिटी महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं के लिए प्रत्एक दिन सुबह राष्ट्रगान का सामूहिक गायन अनिवार्य कर दिया है। राज्य सरकार की ओर से 17 अगस्त को जारी किया गया यह आदेश सभी सरकारी, वित्त पोषित और निजी विद्यालयों के अलावा प्री-यूनिवर्सिटी महाविद्यालयों पर लागू होगा। सरकारी आदेश लागू होने के बावजूद बेंगलुरु के कुछ प्राथमिक माध्यमिक विद्यालय सुबह की प्रार्थना के दौरान राष्ट्रगान का सामूहिक गायन नहीं कर रहे हैं। सरकार को इस संबंध में शिकायतें भी प्राप्त हुई हैं। शिकायतें मिलने के बाद लोक निर्देश विभाग के बेंगलुरु उत्तर और दक्षिण डिवीजन के उप निदेशकों ने विद्यालयों का दौरा किया।

भावनगर रेलवे मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सद्भावना दिवस मनाया

हमारे देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की याद में हम उनके जन्म दिवस 20 अगस्त को सद्भावना दिवस के रूप में हर साल मनाते हैं। परन्तु, इस वर्ष 19 एवं 20 अगस्त को मंडल कार्यालय में छुट्टी होने के कारण 18 अगस्त को सद्भावना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर रेलवे के सभी भाषा-भाषी, विभिन्न धर्मों में आस्था रखने वाले कर्मचारियों में राष्ट्रीय एकता तथा अखंडता के प्रति भावना को सुदृढ़ कर भाईचारे की भावना को विकसित करने हेतु भावनगर रेलवे मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा इस आशय की प्रतिज्ञा ली गई। सद्भावना प्रतिज्ञा इस प्रकार ली गई- मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं जाति, सम्प्रदाय, क्षेत्र, धर्म अथवा भाषा का भेदभाव किए बिना सभी भारतवासियों की भावनात्मक एकता और सद्भावना के लिए कार्य करूंगा/करूंगी। मैं पुनः प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं हिंसा का सहारा लिए बिना सभी प्रकार के मतभेद बातचीत और संवैधानिक माध्यमों से सुलझाऊंगा/सुलझाऊंगी। मंडल रेल प्रबंधक मनोज गोयल ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सद्भावना की प्रतिज्ञा दिलायी। सद्भावना प्रतिज्ञा के दौरान सभाकक्ष में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक माशूक अहमद, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अरिमा भटनागर अधिकारिगण कर्मचारिगण उपस्थित थे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले वनडे में सभी की दृष्टि केएल राहुल पर

जिम्बाब्वे के खिलाफ बृहस्पतिवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे शृंखला से पहले भारतीय कप्तान के एल राहुल के फॉर्म और फिटनेस पर सभी की नजरें होंगी। टी20 प्रारूप में भारत के शीर्ष क्रम का अभिन्न अंग माने जाने वाले राहुल इस शृंखला में अपनी चिर परिचित लय हासिल करने की पूरी कोशिश में होंगे। खेल हर्निया के आपरेशन के कारण राहुल दो महीने बाद टीम में लौटे हैं। उनके सामने चुनौती टी20 टीम में सलामी बल्लेबाज की भूमिका बरकरार रखने और पहली गेंद से आक्रामक बल्लेबाजी की होगी।

कोच राहुल द्रविड़ और नियमित कप्तान रोहित शर्मा की नजरें सिर्फ राहुल के रनों पर ही नहीं होगी बल्कि वे यह भी देखना चाहेंगे कि रन किस तरह से बने हैं। भारतीय टीम को एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ 28 अगस्त को पहला मैच खेलना है। हरारे स्पोर्ट्स क्लब पर जिम्बाब्वे ने 300 और 290 रन से अधिक के लक्ष्य का पीछा करते हुए हाल ही में बांग्लादेश को हराया है। ऐसे में राहुल, शिखर धवन, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा और संजू सैमसन बड़ी पारियां खेलने की कोशिश में होंगे। भारत के पास मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, दीपक चाहर और कुलदीप यादव जैसे गेंदबाज जबकि शार्दुल ठाकुर और अक्षर पटेल जैसे हरफनमौला भी हैं। दूसरी ओर बांग्लादेश को हराने के बाद जिम्बाब्वे की कोशिश भारत जैसी मजबूत टीम को कड़ी चुनौती देने की होगी। मेजबान को सिकंदर रजा, रेजिस चकाबवा और इनोसेंट केइया से बल्लेबाजी में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। एक जमाना था जब जिम्बाब्वे के पास फ्लावर बंधु (ग्रांट और एंडी), हीथ स्ट्रीक, नील जानसंस , मरे गुडविंस और हेनरी ओलोंगा जैसे खि लाड़ी थे। पिछले दो दशक में देश की तरह जिम्बाब्वे क्रिकेट की दशा भी बेहाल रही है और इसका असर टीम के प्रदर्शन पर पड़ा। भारतीय टीम का जिम्बाब्वे दौरा आम तौर पर मेजबान बोर्ड की आर्थिक स्थिति सुधारने की दिशा में भारत का प्रयास माना जाता रहा है। इन तीन मैचों के टीवी और डिजिटल अधिकारों से जिम्बाब्वे क्रिकेट की खासी कमाई हो जाएगी। क्रिकेट की बात करें तो चयनकर्ताओं को बेंच स्ट्रेंथ को आजमाने का मौका मिलेगा जो 2023 में 50 ओवरों का विश्व कप खेल सकते हैं। भारत के पास इस समय इतने प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं कि तीनों प्रारूपों में भारत तीन अलग अलग टीमें उतार सकता है। छह महीने बाद टीम में लौटे दीपक चाहर और धीरे धीरे लय हासिल कर रहे कुलदीप पर चयनकर्ताओं की निगाहें होंगी। आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले राहुल त्रिपाठी के पास भी भारतीय टीम के लिए खेलते हुए उस लय को दोहराने का मौका है।

टीमें : भारत : के एल राहुल (कप्तान), शिखर धवन , रूतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, ईशान किशन, संजू सैमसन, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, आवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर, शाहबाज अहमद।

जिम्बाब्वे : रेजिस चकाबवा (कप्तान), रियान बर्ल, तनाका चिवांगा, ब्राडले इवांस, ल्यूक जोंगवे, इनोसेंट केइया, टी कैतानो, क्लाइव माडांडे, वेसली एम, टी मारूमानी, जान मसारा, टोनी मुनियोंगा, रिचर्ड एंगारावा, विक्टर एन, सिकंदर रजा, मिल्टन शुम्बा, डोनाल्ड तिरिपानो।

मैच का समय : दोपहर 12 . 45 से।

दो महीने बाहर रहा पर टीम नहीं भूली कि मैंने दो साल तक क्या किया: राहुल

पिछले कुछ समय में चोटों से परेशान रहे लोकेश राहुल एक और श्रृंखला में भारत का नेतृत्व करने की तैयारी कर रहे हैं और इस दौरान वह टीम प्रबंधन का धन्यवाद करना नहीं भूले जिसने दो महीने उनके टीम से बाहर रहने के बावजूद पिछले दो साल के उनके योगदान को याद रखा।

जिंबाब्वे के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच की पूर्व संध्या पर भारतीय कप्तान ने कहा, आप दो महीने के लिए बाहर हो सकते हैं लेकिन वे यह नहीं भूले हैं कि आपने पिछले दो-तीन वर्षों में टीम और देश के लिए क्या किया है। खिलाड़ी वास्तव में ऐसे माहौल में कामयाब होते हैं। राहुल को लगता है कि भारतीय टीम प्रबंधन एक ऐसा माहौल बनाने में सक्षम रहा है जो एक अच्छे खिलाड़ी से महान खिलाड़ी के सफर के बीच की खाई को पाट सके। राहुल ने कहा, यह इस तरह का माहौल है जो एक खिलाड़ी को एक अच्छे खिलाड़ी से एक महान खिलाड़ी में बदलने में मदद कर सकता है, वह अपनी टीम के लिए अधिक मैच जीतने वाली काफी अधिक पारी खेल सकता है भारत के लिए 42 वनडे में पांच शतक की मदद से 46 से अधिक के औसत से रन बनाने वाले शीर्ष क्रम के इस बल्लेबाज ने कहा, एक खिलाड़ी के लिए चयनकर्ताओं, कोच और कप्तान का समर्थन हासिल करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। यह आपको इतना आत्मविश्वास देता है कि आपकी मानसिकता स्पष्ट हो जाती है और आप आवश्यक चीजों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इस खिलाड़ी को अपने करियर के दौरान कई बार चोटों का सामना करना पड़ा है और वह अभी खेल हर्निया की सर्जरी से उबरे हैं। राहुल ने कहा, चोटें खेल का हिस्सा हैं और इसने मुझ पर दया नहीं दिखाई है लेकिन यह यात्रा का हिस्सा है। राहुल जून में स्वदेश में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला की शुरूआत के पहले से टीम से बाहर हैं।

मौलिकता बहुत महत्वपूर्ण है और राहुल का मानना है कि नेतृत्वकर्ता के रूप में अपने छोटे से कार्यकाल में उन्होंने अपनी पहचान बनाए रखने का प्रयास किया और टीम के अन्य सदस्यों को उनकी व्यक्तिगत पहचान बनाए रखने दी। राहुल से जब यह पूछा गया कि क्या उन्होंने दिग्गज क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के नक्शेकदम पर चलने का प्रयास किया है तो उन्होंने कहा, मैं वहां जाकर कुछ और नहीं बन सकता। तब मैं स्वयं के लिए, टीम के लिए या खेल के प्रति निष्पक्ष नहीं रहूंगा। मैं कोशिश करता हूं कि मैं वही रहूं जो मैं हूं और अन्य खिलाड़ियों को वैसा ही रहने दूं जैसा वे चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं इन लोगों (धोनी) के साथ अपनी तुलना भी नहीं कर सकता, उन्होंने देश के लिए जो किया है उसकी उपलब्धि कहीं अधिक है और मुझे नहीं लगता कि कोई नाम उनके समान लिया जा सकता है। चोट के बाद टीम में वापसी कर रहे खिलाड़ियों के बारे में राहुल ने कहा, मैं, कुलदीप और दीपक (चाहर), हम सभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में थे (रिहैबिलिटेशन के लिए) और सभी इस श्रृंखला की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने कहा, इसलिए मुझे पता है कि उन्होंने अच्छी तैयारी की है और वे जानते हैं कि उन्हें क्या करने की आवश्यकता है। कुलदीप और चाहर वापसी कर रहे हैं लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा, आवेश खान और मोहम्मद सिराज पिछले छह महीनों से एकदिवसीय ढांचे का हिस्सा हैं। राहुल ने कहा, आवेश, सिराज और प्रसिद्ध आईपीएल की शुरुआत से ही लगातार खेल रहे हैं। यह उनके शरीर के प्रबंधन और रणनीतियों से जुड़ा है इसलिए उनके साथ बैठकर बात करने की जरूरत है।

कोलकाता नाइट राइडर्स के मुख्य कोच बने चंद्रकांत पंडित

भारत के प्रतिष्ठित घरेलू कोच चंद्रकांत पंडित को आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। फ्रेंचाइजी ने बुधवार को इसकी घोषणा की। पंडित ब्रेंडन मैकुलम की जगह लेंगे जो अब इंग्लैंड टेस्ट टीम के मुख्य कोच हैं। भारतीय घरेलू सर्किट में सबसे प्रतिष्ठित कोच में से एक पंडित के मार्गदर्शन में हाल में मध्य प्रदेश ने अपना पहला रणजी ट्रॉफी खिताब जीता था। इससे पहले वह मुंबई और विदर्भ के साथ कई बार राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीत चुके हैं। घरेलू टीमों के साथ शानदार काम करने के लिए पहचाने जाने वाले भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पंडित की यह शीर्ष स्तर पर पहली बड़ी जिम्मेदारी होगी। केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने एक बयान में कहा, हम बहुत उत्साहित हैं कि चंदू (चंद्रकांत पंडित) हमारी यात्रा के अगले चरण में हमारा नेतृत्व करने के लिए नाइट राइडर्स परिवार में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा, वह जो करते हैं उसके प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता और घरेलू क्रिकेट में सफलता का उनका रिकॉर्ड सभी के सामने है। हम अपने कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ उनकी अच्छी साझेदारी की उम्मीद कर रहे हैं। नई चुनौती को स्वीकार करते हुए पंडित ने कहा, मैंने नाइट राइडर्स से जुड़े रहे खिलाड़ियों और अन्य लोगों से यहां की पारिवारिक संस्कृति और सफलता की परंपरा के बारे में सुना है। उन्होंने कहा, मैं सहयोगी कर्मचारियों और टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ियों के स्तर को लेकर उत्साहित हूं और मैं पूरी विनम्रता तथा सकारात्मक उम्मीदों के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। साठ साल के पंडित ने 80 के दशक के मध्य से लेकर 90 के दशक की शुरुआत तक भारत के लिए पांच टेस्ट और 36 एकदिवसीय मैच खेले। पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में पंडित ने कहा था कि आईपीएल के शुरुआती वर्षों में उनकी एक बार केकेआर के मालिकों में शामिल शाहरुख खान के साथ बैठक हुई थी लेकिन तब उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि वह सहायक कोच के रूप में सहयोगी स्टाफ में शामिल होने के इच्छुक नहीं हैं।

ब्राजील-अर्जेंटीना विश्व कप क्वालीफायर रद्द करने पर राजी फीफा

साओ पाउलो (एपी)।ब्राजील और अर्जेंटीना के बीच विश्व कप का निलंबित क्वालीफाइंग मैच अब नहीं होगा। दोनों देशों के फुटबॉल संघ ने मैच रद्द करने का समझौता फीफा के साथ होने के बाद यह ऐलान किया। दोनों टीमें क्वालीफायर नहीं खेलने के लिए जुर्माना भरने पर राजी हो गई। सितंबर में यह मैच शुरू होने के कुछ मिनट बाद ही रोकना पड़ा था जब ब्राजील के स्वास्थ्य अधिकारी यह कहकर मैदान में आ गए थे कि अर्जेंटीना के चार खिलाड़ियों ने कोरोना प्रोटोकॉल तोड़ा है। फीफा यह मैच अगले महीने कराना चाहता था लेकिन ब्राजील और अर्जेंटीना दोनों कतर में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं तो यह मैच औपचारिकता मात्र रह गया था।

भारत की पड़ोस में सुरक्षा मुद्दों से संबंधित घटनाक्रम पर नजर : जयशंकर

बैंकॉक। एक चीनी अनुसंधान पोत के श्रीलंका में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बंदरगाह पर लंगर डालने के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत अपने पड़ोस में किसी भी ऐसे घटनाक्रम की निगरानी करता है, जिसका उसकी सुरक्षा पर असर पड़ता है। उन्होंने मंगलवार को श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर मिसाइल एवं उपग्रह ट्रैकिंग पोत युआन वांग 5 के लंगर डालने के बारे में पूछे जाने पर यह टिप्पणी की। जयशंकर भारत-थाईलैंड संयुक्त आयोग की 9वीं बैठक में भाग लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंचे।

संयुक्त आयोग की बैठक के बाद थाईलैंड के अपने समकक्ष डोन प्रमुदविनई के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल पर जयशंकर ने कहा, हमारे पड़ोस में जो कुछ भी होता है, कोई भी घटनाक्रम, जिसका हमारे सुरक्षा मुद्दों पर प्रभाव पड़ता है, उस पर हमारी नजर रहती है। जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि कुछ समय पहले एक प्रवक्ता ने कहा था, हम स्पष्ट रूप से किसी भी घटनाक्रम की बहुत सावधानी से निगरानी करते हैं, जिसका हमारे हितों पर असर पड़ता है। श्रीलंकाई अधिकारियों ने कहा है कि चीनी पोत 22 अगस्त तक दक्षिणी श्रीलंकाई बंदरगाह पर रहेगा। पोत मूल रूप से

11 अगस्त को चीनी संचालित बंदरगाह पर पहुंचने वाला था, लेकिन श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा अनुमति के अभाव में इसमें देरी हुई।

भारत की चिंताओं के बीच श्रीलंका ने चीन से पोत की यात्रा टालने को कहा था। शनिवार को, कोलंबो ने 16 से 22 अगस्त तक पोत को बंदरगाह तक पहुंच इस शर्त के साथ प्रदान की कि वह केवल श्रीलंका के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के भीतर स्वचालित पहचान प्रणाली (एआईएस) को चालू रखेगा और कोई वैज्ञानिक अनुसंधान नहीं किया जाएगा। चीन का कहना है कि पोत का इस्तेमाल वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए किया जाता है, लेकिन अमेरिकी रक्षा विभाग का कहना है कि पोत चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की कमान के अंतर्गत है और उपग्रहों और मिसाइल प्रक्षेपणों को ट्रैक करने में सक्षम है। चीन के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि पोत अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार वैज्ञानिक अनुसंधान कर रहा है।

भारत-थाइलैंड की समकालीन साझेदारी इतिहास और संस्कृति पर आधारित: विदेश मंत्री

बैंकॉक ।विदेश मंत्री एस जयशंकर ने थाईलैंड के सबसे पवित्र बौद्ध मंदिर माने जाने वाले एमराल्ड बुद्ध मंदिर की यात्रा की। उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड के बीच समकालीन साझेदारी इतिहास और संस्कृति पर आधारित है। जयशंकर 9वीं भारत-थाईलैंड संयुक्त आयोग की बैठक में भाग लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंचे। उन्होंने एक विशाल भित्ति चित्र को देखते हुए अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया, बैंकाक में एमराल्ड बुद्ध के मंदिर में शानदार रामायण भित्ति चित्र को देखा। उन्होंने कहा, थाईलैंड के साथ हमारी समकालीन साझेदारी काफी कुछ इतिहास और संस्कृति पर आधारित है। थाईलैंड में बौद्ध धर्म सबसे बड़ा धर्म है, जिसका पालन 93ऊ आबादी करती है। थाई संविधान में थाईलैंड एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है।

विदेशी निवेशकों की घरेलू शेयरों में हिस्सेदारी जून तिमाही में घटकर 523 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली ।विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही के दौरान घरेलू शेयरो मे पूंजी के लिहाज से हिस्सेदारी 14 प्रतिशत घटकर 523 अरब डॉलर रह गई है। मॉर्निंगस्टार की रिपोर्ट के अनुसार, यह लगातार तीसरी तिमाही है, जब एफपीआई की भारतीय शेयरों मे हिस्सेदारी घटी है। विदेशी निवेशक साल की शुरुआत से ही सतर्क रुख अपना रहे थे और वैश्विक और घरेलू दोनो बाजारो मे चिंताजनक घटनाओ के बाद उनकी चिंता और बढ़ी है। रिपोर्ट मे कहा गया कि जून तिमाही के दौरान विदेशी निवेशकों की स्थानीय बाजार मे मूल्य के लिहाज से हिस्सेदारी 14 प्रतिशत घटकर 523 अरब डॉलर रह गई। इससे पिछली तिमाही मे यह 612 अरब डॉलर थी। वही, पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही मे भारतीय शेयर बाजार मे एफपीआई निवेश का मूल्य 592 अरब डॉलर था। घरेलू शेयर बाजारो मे बाजार पूंजीकरण के लिहाज से भी एफपीआई की हिस्सेदारी समीक्षाधीन तिमाही के दौरान गिरकर 16.9 प्रतिशत हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही मे 17.8 प्रतिशत थी। जून, 2022 को समाप्त तिमाही के दौरान एफपीआई ने शुद्ध रूप से 13.85 अरब डॉलर की संपत्तियां बेची। हालांकि, यह मार्च तिमाही के 14.59 अरब डॉलर के आंकड़े से कम है। अमेरिकी के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा लगातार आक्रामक नीतिगत रुख अपनाने की वजह से तिमाही की शुरुआत से ही विदेशी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। वैश्विक स्तर पर बॉन्ड प्राप्तियां भी बढ़ी है जिससे एफपीआई का निवेश प्रभावित हुआ। अमेरिकी केंद्रीय बैंक 2022 मे अबतक ब्याज दरो मे 1.5 प्रतिशत अंक की वृद्धि की चुका है।

खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 31.57 करोड़ टन रहने का अनुमान

नई दिल्ली। भारत का गेहूं उत्पादन 2021-22 के फसल वर्ष मे लगभग तीन प्रतिशत घटकर 10 करोड़ 68.4 लाख टन रहने का अनुमान है। वही कुल खाद्यान्न उत्पादन के 31 करोड़ 57.2 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। लू के कारण गेहूं के उत्पादन मे गिरावट का अनुमान है, जिसके परिणामस्वरूप पंजाब और हरियाणा जैसे उत्तरी राज्यो मे अनाज खराब हो गया है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने फसल वर्ष 2021-22 के लिए चौथा अग्रिम अनुमान जारी करते हुए बुधवार को कहा कि चावल, मक्का, चना, दलहन, रैपसीड एवं सरसो, तिलहन और गन्ने का भी रिकॉर्ड उत्पादन होने का अनुमान है। फसल वर्ष 2021-22 जुलाई, 2021 से जून, 2022 तक था। मंत्रालय के अनुसार, जून, 2022 मे समाप्त फसल वर्ष मे देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 31 करोड़ 57.2 लाख टन होने का अनुमान है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि इतनी फसलों का रिकॉर्ड उत्पादन सरकार की किसान हितैषी नीतियो के साथ-साथ कृषकों और वैज्ञानिकों की अथक मेहनत का नतीजा है। फसल वर्ष 2020-21 मे देश का खाद्यान्न उत्पादन जिसमे (गेहूं, चावल, दाले और मोटे अनाज) रिकॉर्ड 31 करोड़ 7.4 लाख टन रहा था। फसल वर्ष 2021-22 मे गेहूं का उत्पादन कम यानी 10 करोड़ 68.4 लाख टन रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 10 करोड़ 95.9 लाख टन था। समीक्षाधीन फसल वर्ष मे चावल का उत्पादन रिकॉर्ड 13 करोड़ 2.9 लाख टन होने का अनुमान है, जो एक साल पहले की समान अवधि मे 12 करोड़ 43.7 लाख टन रहा था।

एनएसडीसी, वर्तना ने कौशल पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों को वित्तीय सहायता देने के लिए हाथ मिलाया

नई दिल्ली ।राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने विद्यार्थियो को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए वर्तना फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य कौशल ऋण पहल को बढ़ावा देना और कम आय वाली आबादी के लिए शिक्षा पर आने वाले खर्च की खाई को कम करना है ताकि छात्र अपनी पसंद का पाठ्यक्रम चुन सकें। एनएसडीसी के मुख्य परिचालन अधिकारी वेद मणि तिवारी ने कहा, हमने लाखो वंचित छात्रों को तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए वर्तना के साथ भागीदारी की है। वही, वर्तना के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी स्टीव हार्डग्रेव ने कहा, हमें उम्मीद है कि छात्रों को प्रशिक्षण से अपने करियर और आजीविका में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

भोजन, ऊर्जा की बढ़ती लागत से ब्रिटेन की मुद्रास्फीति बढ़ी

लंदन। खाद्य पदार्थों और ऊर्जा कीमतो में बढ़ोतरी के चलते ब्रिटेन की मुद्रास्फीति दर जुलाई में बढ़कर 40 साल के नए उच्चतम 10.1 प्रतिशत पर पहुंच गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (ओएनएस) ने बुधवार को कहा कि उपभोक्ता मूल्यो पर आधारित मुद्रास्फीति दो अंकों में पहुंच गई है, जो जून में 9.4 प्रतिशत से अधिक थी। यह आंकड़ा विश्लेषकों के 9.8 प्रतिशत के पूर्वानुमान से अधिक है। बयान के मुताबिक यह वृद्धि मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं, ऊर्जा, टॉयलेट पेपर और टूथब्रश समेत रोजमर्रे की वस्तओ की कीमतो में हुई बढ़ोतरी के चलते हुई। अधिकांश अर्थशास्त्रियो का मानना है कि आने वाले समय मे महंगाई और बढ़ सकती है।

इंडियन ऑयल का राज्य भर में झंडा संग्रह अभियान

संवाददाता। लखनऊ

हर घर तिरंगा अभियान के तहत सरकार ने देशवासियों से 13 से 15 अगस्त तक अपने घरों या प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने की अपील की थी। हर घर तिरंगा अभियान में पूरे देश भर के लोगों ने राष्ट्रीय वीरों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए घर-घर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अभियान के अंतर्गत आयोजित समारोहों के बाद सबसे बड़ी समस्या जिसका सामना कई लोगों को करना पड़ सकता है, वह होगा कि राष्ट्रीय ध्वज का क्या करें? इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि इन्हें कैसे एकत्र किया जाएगा या फटे या क्षतिग्रस्त झंडों के लिए कोई संग्रह अभियान चलाया जाएगा या नहीं। यह संभावना है कि उनमें से कई ध्वज सड़कों पर बिखरे मिलेंगे या नगरपालिका के कचरे में मिल जाएंगे, जो बिलकुल ठीक नहीं होगा। इस आशंका को दूर करने के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने पहल की है और इसी क्रम में इंडियन ऑयल कार्पोरेशन

द्वारा 16 से 19 अगस्त तक झंडा संग्रह अभियान चलाया जा रहा है। इस नेक पहल पर बोलते हुए संजीव कक्कड़, कार्यकारी निदेशक व राज्य प्रमुख, इंडियनऑयल (उत्तर प्रदेश राज्य कार्यालय-1) एवं राज्य स्तरीय समन्वयक (तेल उद्योग), उत्तर प्रदेश ने कहा कि उत्सव के बाद भी राष्ट्रीय ध्वज का उतना ही सम्मान व रखरखाव आवश्यक है जितना कि इसे फहराना। तिरंगे के सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए इंडियन ऑयल आगे आया है। आप अपना झंडा अथवा आपको अगर कोई झंडा कहीं गिरा मिलता है तो उसे राज्य भर के चुनिंदा इंडियनऑयल पेट्रोल पंपों पर जमा कर सकते हैं। भारतीय ध्वज संहिता, 2002, यह अनिवार्य करती है कि क्षतिग्रस्त झंडों को फेंका नहीं अपितु निजी तौर पर एकांत स्थान पर दफना या जला दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम अच्छे झंडे का संरक्षण करेंगे और भारत सरकार के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप क्षतिग्रस्त झंडे का निस्तारण करेंगे। इंडियनऑयल के राज्य प्रमुख ने कहा कि बीपीसीएल और एचपीसीएल भी इस नेक काम में पूरा सहयोग देंगे। संजीव ने कहा कि हम उत्तर प्रदेश राज्य कार्यालय-1 के सभी फील्ड ऑफिसरों को भी यह निर्देश देंगे कि उन्हें फील्ड में रहने के दौरान जहां भी राष्ट्रीय ध्वज सम्मानजनक स्थिति में न दिखे उसे वे अपने पास संग्रहीत कर लें और निर्धारित स्थान पर सम्मानपूर्वक जमा करवा दें।

ध्वज संहिता की धारा 2.2 (3) और धारा 3.25 में कहा गया है कि जब ध्वज क्षतिग्रस्त या गंदा हो जाता है, तो इसे व्यक्तिगत रूप से नष्ट कर दिया जाएगा, विशेष रूप जलाकर या ध्वज की गरिमा के अनुरूप किसी भी तरीके से ध्वज संहिता के अनुसार किसी भी स्थिति में क्षतिग्रस्त या फटे हुए झंडे के प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जा सकती है और इसे फेंकना या इसका अनादरपूर्वक निपटान नहीं किया जाना चाहिए।

भारत की सफलता ने दुनिया के सभी स्वतंत्रता प्रेमियों के लिए बेहतर स्थान बनाया: मुरलीधरन

न्यूयॉर्क। विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने कहा कि भारत के लोगों ने समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ देश की लोकतांत्रिक राजनीति को पोषित और प्रदर्शित किया है और भारत की सफलता ने दुनिया को सभी स्वतंत्रता-प्रेमियों के लिए एक बेहतर स्थान बनाया है। सोमवार को यहां कार्नेगी हॉल में सरोद वादक अमजद अली खान के एक संगीत कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकी और प्रवासी समुदाय के सदस्यों को एक वीडियो संबोधन में, मुरलीधरन ने कहा कि भारत इस यात्रा में वैश्विक समुदाय के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चला है और वैश्विक शांति और भलाई में अपना सहयोग दे रहा है।

जब हमें आज़ादी मिली, तो आंसू भी थे और खुशी भी थी, लेकिन आगे एक बड़ी जिम्मेदारी का अहसास भी था। हम अपने लोकतंत्र का निर्माण करने और अपनी एकता को बनाए रखने के लिए मजबूत बने। मुरलीधरन ने कहा, बाहर के लोगों के लिए यह मुश्किल कार्य प्रतीत होता है, लेकिन समर्पण और दृढ़ संकल्प, उद्देश्य और दृढ़ता के साथ, हमारे लोगों ने हमारी लोकतांत्रिक राजनीति को पोषित और प्रदर्शित किया है। इसने भारत के सामाजिक ताने-बाने में गहरी जड़ें जमा लीं और विविधता, बहुलवाद और सदियों पुराने लोकाचार को अपनाया। असल में, भारत की सफलता ने दुनिया को सभी स्वतंत्रता-प्रेमियों के लिए एक बेहतर स्थान बनाया है। यही कारण है कि आज हम अपनी खुशी साझा करने के लिए दुनिया भर में लाखों लोगों से जुड़े हुए हैं। भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर, न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने इंडो-अमेरिकन आर्ट्स काउंसिल (आईएएसी) के साथ आज़ादी का अमृत महोत्सव - स्वतंत्रता का उत्सव का आयोजन किया।

‘छोरी 2’ की शूटिंग नवंबर से शुरू करेंगी नुसरत भरूचा

नुसरत भरूचा की फिल्म ‘छोरी’ के सीक्वल की शूटिंग को लेकर एक अपडेट सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नुसरत फिल्म के पार्ट 2 की शूटिंग इस साल नवंबर में शुरू करेंगी। साथ ही रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फिल्म में कुछ नए चेहरे भी देखने को मिलेंगे। ‘छोरी 2 की कहानी फिल्म के पहले पार्ट से जारी रहेगी और एक नया मोड़ लेगी। नुसरत और फिल्म के कुछ दूसरे कास्ट मेंबर्स सीक्वल में अपने ओरिजिनल कैरेक्टर में नजर आएंगे। हालांकि, कुछ नए पॉपुलर चेहरे भी ‘छोरी 2’ की टीम में शामिल होंगे। विशाल फिलहाल फिल्म की स्क्रिप्ट लिख रहे हैं। वह ‘छोरी’ के लिए कुछ नया और इंटरेस्टिंग क्रिएट कर रहे हैं। जल्द ही फिल्म की कास्टिंग प्रोसेस भी शुरू होगी।’

मुंबई एयरपोर्ट पर साथ स्पॉट हुए सिड-कियारा

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर साथ स्पॉट किया गया है। दरअसल, कियारा का 30वां बर्थडे सेलिब्रेट करने के लिए कपल दुबई गए थे। दोनों ब्लैक कलर के आउटफिट में ट्विनिंग करते नजर आए। कपल के एयरपोर्ट से निकलने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कियारा और सिद्धार्थ को साथ देखकर उनके फैंस काफी खुश हैं। एक फैन ने कमेंट किया, ‘इन दोनों को साथ देखकर अलग ही खुशी मिलती है।’ दूसरे फैन ने लिखा, ‘सिड-कियारा की ट्विनिंग गेम।’ बहुत से लोगों ने लिखा, ‘बेस्ट कपल’ और ‘क्यूट कपल।’

2024 की ईद पर आएगी धूम-4?

यशराज फिल्म्स की हिट फ्रेंचाइजी ‘धूम’ के चौथे पार्ट को लेकर ट्रेड सर्किट में दोबारा चर्चाएं हो रही हैं। अगले साल इस बैनर की दो बड़ी फिल्में ‘पठान’ और ‘टाइगर-3’ रिलीज होंगी। ऐसे में यशराज फिल्म्स इन दोनों फिल्मों के बाद यानी साल 2024 की ईद पर बिगबजट फिल्म ‘धूम-4’ की सौगात देने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने ‘धूम-4’ को लेकर कई जानकारियां शेयर की हैं। उन्होंने कहा, ‘इस फ्रेंचाइजी के चौथे पार्ट को डायरेक्ट करने के लिए संजय गढ़वी को वापस बुलाया जा रहा है। तीसरा पार्ट उनके बजाय विजय कृष्ण आचार्य ने डायरेक्ट किया था। अब अगर संजय गढ़वी को ऑन बोर्ड लिया जाता है तो उनके पास इस पार्ट के लिए कई स्क्रिप्ट लिखी हुई हैं।’ सूत्र आगे बताते हैं,’ ‘धूम-4’ के आगे जो पांचवें, छठे और सातवें पार्ट बनेंगे, उनमें मेकर्स सलमान, शाहरुख, रणबीर, रणवीर, शाहिद को भी निगेटिव लीड में कास्ट करते रहेंगे। देखना दिलचस्प होगा कि उन सितारों को उनके चाहने वाले किस तरह एक्सेप्ट करेंगे। हालांकि, एक फैक्ट यह भी रहा है कि इन सभी सितारों ने करियर में निगेटिव लीड करने की चाह जाहिर की हुई है। शाहरुख तो कई बार एंटी हीरो के तौर पर भी नजर आए हैं। रणवीर सिंह ने गुंडे में निगेटिव रोल किया था।’

कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव की हालत और बिगड़ी

कॉमेडियन एवं जाने-माने एक्टर राजू श्रीवास्तव की तबीयत में कोई सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक उनकी तबीयत से एक बार फिर से बिगड़ गई है। अभी भी वह दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती हैं जहां उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक आज उनकी तबीयत और बिगड़ गई है। उनकी तबीयत फिलहाल नाजुक बनी हुई है। डॉक्टर लगातार उनके स्वास्थ्य में सुधार को लेकर लगे हुए हैं। इन सबके बीच राजू के मुख्य सलाहकार अजीत सक्सेना ने बताया है कि कॉमेडियन का ब्रेन काम नहीं कर रहा है। वहां लगभग डेड स्थिति में है और हार्ट में भी कई दिक्कतें आ रही हैं। कुल मिलाकर देखें तो राजू श्रीवास्तव की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। उन्हें 10 अगस्त को दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनके परिवार को फोन किया था और हर संभव मदद का भरोसा दिया था। श्रीवास्तव (58) को 10 अगस्त को दिल का दौरा पड़ने के बाद एम्स में भर्ती किया गया था। उसी दिन उनकी एंजियोप्लास्टी की गई थी। गत शुक्रवार को श्रीवास्तव के परिवार ने उनके इंस्टाग्राम पेज पर एक आधिकारिक बयान जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि उनकी हालत स्थिर है। परिजनों ने लोगों से ‘‘किसी भी अफवाह अथवा गलत खबर पर ध्यान नहीं देने’’ का भी अनुरोध किया था। श्रीवास्तव, 1980 के दशक के अंत से मनोरंजन जगत में सक्रिय रहे हैं। उन्हें 2005 में स्टैंड-अप कॉमेडी शो ‘द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज’ के पहले सीजन में भाग लेने के बाद काफी लोकप्रियता मिली थी। उन्होंने ‘मैंने प्यार किया’, ‘बाजीगर’, ‘बॉम्बे टू गोवा’ (रीमेक) और ‘आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया’ जैसी फिल्मों में अभिनय किया है। वह ‘बिग बॉस’ सीजन तीन के प्रतियोगियों में से एक थे। श्रीवास्तव उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद के अध्यक्ष भी हैं।

क्या सलमान खान की बिग बॉस 16 की फीस है 1000 करोड़ रुपये

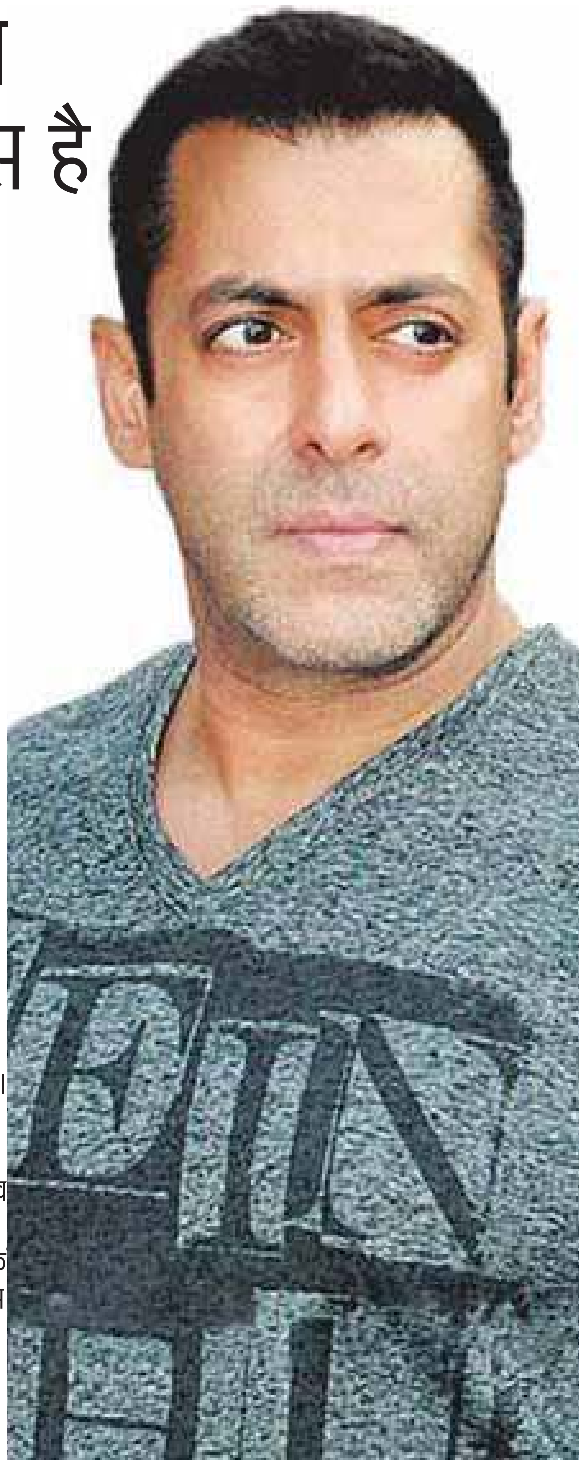

सलमान खान की फिल्में भले चल नहीं रही हो, लेकिन उनका टीवी शो बिग बॉस बेहद पॉपुलर है। सलमान खान इस शो को करने की भारी भरकम फीस वसूलते हैं। हर बार वे सीज़न के अंत में कहते हैं कि वे अगली बार इस रियलिटी शो के होस्ट नहीं बनेंगे, लेकिन नए सीज़न में वे ही नजर आते हैं क्योंकि सलमान के बिना बिग बॉस वैसा ही फीका है जैसे शकर के बिना खीर।

सलमान खान की बिग बॉस 16 की फीस

सलमान खान ने पिछला सीज़न होस्ट करने के बदले में 350 करोड़ रुपये वसूले थे और इस बार उनकी फीस तीन गुनी हो गई है। खबर है कि सलमान खान की बिग बॉस 16 की फीस एक हजार करोड़ रुपये तय की गई है। बात हैरान कर देने वाली जरूर है, लेकिन सच भी हो सकती है।

बिग बॉस 16 कब होगा शुरू

यह सवाल बिग बॉस के फैंस की जुबां पर है। वे बिग बॉस सीजन 16 के शुरू होने का इंतजार बेसब्री से कर रहे हैं। इस बारे में अधिकृत घोषणा तो नहीं हुई है, लेकिन माना जा रहा है कि अक्टूबर 2022 से यह शो प्रीमियर होगा।

बिग बॉस 16 कंटेंस्टंट्स लिस्ट

बिग बॉस 16 की कंटेंस्टंट्स लिस्ट में कई बड़े नाम की चर्चा है। आखिरी समय तक बात चलती रहती है, लेकिन इस बार कुछ बड़े और विवादास्पद नामों की चर्चा है। खबर है कि बिग बॉस 16 की कंटेंस्टंट्स लिस्ट में शिविन नारंग, विवियन डीसेना, मुनव्व फारूकी, फैसल शेख के नाम तय हो चुके हैं।

सेक्स सिम्बल के रूप में फेमस पूनम पांडेय, तारक मेहता क लोकप्रिय एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता, सुशांत सिंह राजपूत की एक्स गर्लफ्रेंड अंकिता लोखंडे, बलात्कार के मामले में सजा काट चुके शाइनी आहूजा से भी बात चल रही है। इसके अलावा शनाया ईरानी, टीना दत्ता, दिशा परमार, प्राची देसाई, अंजलि अरोरा के नामों की भी चर्चा है।

गुलज़ार हैं सदाबहार! गीतकार द्वारा लिखे गए ऐसे गाने जिसे शायद ही कभी भूला जा सके

हैप्पी बर्थडे गुलजार: भारतीय कवि और गीतकार गुलजार को हिंदी सिनेमा में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए पूरे देश में जाना जाता है। सात दशकों से अधिक के अपने करियर में महान गीतकार ने अकादमी पुरस्कार, ग्रैमी और लगभग पांच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों सहित कई पुरस्कार अर्जित किए हैं। उद्योग में उनके उल्लेखनीय काम की सरहाना करने के लिए, भारत सरकार ने उन्हें 2013 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया। सदाबहार व्यक्तित्व रखने वाले गुलजार अपना 88 वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस विशेष अवसर पर हमने गुलजार द्वारा लिखे गए पांच प्रतिष्ठित गीतों को संकलित किया है जो कभी भी पुराने नहीं हो सकते।

तेरे बिना जिंदगी से कोई शिकवा तो नहीं

गुलज़ार द्वारा लिखित तेरे बिना ज़िंदगी से कोई शिकवा तो नहीं1975 में रिलीज़ हुई फ़िल्म आँधी का मशहूर गीत हैं। फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में संजीव कुमार, सुचित्रा सेन और ओम शिवपुरी है। रोमांटिक नंबर संगीत उस्ताद आरडी बर्मन द्वारा रचित था और प्रतिष्ठित जोड़ी लता मंगेशकर और किशोर कुमार ने इस गाने को अपनी आवाज दी थी। गाने के बोल एकतरफा प्यार के सार को पकड़ते हैं।

तुझसे नराज नहीं जिंदगी

तुझसे नाराज नहीं जिंदगी हैरान हूं मैं... गाना गुलजार एक पिता और बेटे की बॉडिंग पर बनाया है। नसीरुद्दीन शाह, उर्मिला मातोंडकर और शबाना आज़मी पर फिल्माई गई तुझसे नराज नहीं ज़िंदगी को आरडी बर्मन ने कंपोज किया है।

जय हो

जोरदार बीट्स के साथ जय हो हिट फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर का एक ऊर्जावान गाना है। गुलज़ार द्वारा दिए गए गीत पूरी तरह से जीवन जीने पर केंद्रित हैं, हाई-टेम्पो नंबर सुखविंदर सिंह ने एआर रहमान, महालक्ष्मी अय्यर और विजय प्रकाश के सहयोग से गाया है।

दिल तो बच्चा है जी

गुलजार ने इश्किया फिल्म के इस मधुर गायन में मानवीय हृदय पर अपने दार्शनिक दृष्टिकोण को व्यक्त किया है। दिल तो बच्चा है जी को राहत फतेह अली खान ने गाया है और संगीत निर्देशक विशाल भारद्वाज ने इसे संगीतबद्ध किया है।

कोई होता जिस्को अपना

1971 की फिल्म मेरे अपने के संगीत की विशेषता वाले इस भावपूर्ण गीत को महान किशोर कुमार ने गाया है। सलिल चौधरी द्वारा रचित गीतकार गुलज़ार ने इस गीत को उन सभी को समर्पित किया जो दूर हो गए थे। इसने जीवन में एक व्यक्ति के लिए तड़प की भावना को उपयुक्त रूप से पकड़ लिया।

भवनों में शुद्ध शून्य अपशिष्ट की ओर

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

इमारतों और निर्मित पर्यावरण के लिए एक शुद्ध शून्य अपशिष्ट वह है जो बहु-आयामी दृष्टिकोण - प्रकृति-केंद्रित डिजाइन, निर्माण के दौरान मलबे को कम करने, संचालन के दौरान कचरे को जिम्मेदारी से संभालने, कचरे का पुन: उपयोग करने के लिए कचरे को लैंडफिल में भेजे जाने वाले कचरे के मोड़ को समाप्त करता है। जितना संभव हो सके और शेष कचरे को पुनर्चक्रित करना।

परियोजना के प्रस्तावकों के लिए 'भवन और निर्मित पर्यावरण के लिए शुद्ध शून्य अपशिष्ट रेटिंग प्रणाली' अपनाने के मुख्य लाभ नीचे दिए गए हैं:

उत्पादों और सामग्रियों से संबंधित गुणवत्ता और पर्यावरणीय प्रदर्शन पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों का अनुपालन।

हरित उत्पादों और सामग्रियों के उपयोग में वृद्धि से संसाधन दक्षता और स्वास्थ्य लाभ में सुधार हुआ है। सामग्री की खपत में कमी और इसलिए निर्माण की लागत में कमी

- कचरे के पुन: उपयोग में वृद्धि ताकि अतिरिक्त सामग्री की खरीद में कमी हो।
- अपशिष्ट प्रबंधन और निपटान से जुड़ी लागत में कमी।
- ऊर्जा या अन्य मूल्य वर्धित उत्पादों के रूप में कचरे को धन में बदलने का अवसर।
- अपने ग्राहकों के लिए ब्रांड छवि और मूल्य

'बिल्डिंग एंड बिल्ट एनवायरनमेंट के लिए नेट जीरो वेस्ट रेटिंग सिस्टम' आवासीय, वाणिज्यिक, कारखानों, आंतरिक फिटआउट, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा संस्थानों, खुदरा दुकानों, पारगमन भवनों, टाउनशिप, शहरों आदि सहित सभी भवन प्रकारों पर लागू किया जा सकता है।

यह रेटिंग प्रणाली नए और मौजूदा भवनों और निर्मित वातावरण दोनों के लिए अपनाई जा सकती है। मौजूदा परियोजनाओं के लिए नई परियोजनाओं और संचालन क्रेडिट के लिए डिजाइन और निर्माण देखें। अपने भवन के लिए 'नेट ज़ीरो वेस्ट टू लैंडफिल' रेटिंग प्राप्त करने के इच्छुक परियोजना प्रस्तावक के आधार पर, गुंजाइश डिजाइन और निर्माण (या) संचालन तक सीमित हो सकती है।

एसी ट्रेनो मे बढ़े यात्री 1 लाख का आकडा पार

पश्चिम रेलवे की एसी लोकल ट्रेनों मे गत 16 अगस्त को 1 लाख यात्रियों ने किया सफर

गणेश पाण्डेंय। मुंबई

पश्चिम रेलवे पर यात्रियों के बीच एसी लोकल ट्रेनों की लोकप्रियता और मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। पिछले कुछ महीनों में एसी लोकल में यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई है। व्यस्ततम समय में एसी ट्रेनें पूरी क्षमता से चल रही हैं और एसी लोकल पसंद करने वाले यात्रियों की संख्या भी बढ़ रही है।

उल्लेखनीय है कि 16 अगस्त, 2022 को एसी लोकल के दैनिक यात्रियों की संख्या 1 लाख को पार कर गयी।रेलवे आधिकारिक जानकारी मुताबिक पिछले कुछ महीनों से एसी लोकल ट्रेनों से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। अप्रैल, मई, जून और जुलाई, 2022 के महीनों में एसी लोकल द्वारा यात्रा करने वाले कुल यात्रियों की संख्या क्रमशः 6.61 लाख, 11.18 लाख, 13.44 लाख और 14.51 लाख थी, जबकि अगस्त के चालू महीने में 16.08.2022 तक 8.40 लाख यात्रियों ने यात्रा की है। मात्र 16.08.2022 को बुक किए गए दैनिक यात्रियों की संख्या 1.06 लाख रही, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

यह आंकड़ा 08.08.2022 को बुक किए गए 89,891 दैनिक यात्रियों के पिछले सर्वश्रेष्ठ आंकड़े की तुलना में 19% अधिक है और 04.07.2022 को बुक किए गए 85,231 दैनिक यात्रियों के आंकड़े से 25% अधिक है।

एसी ट्रेनो की इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे और अधिक एसी लोकल ट्रेनों का परिचालन करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। हाल के दिनों में पश्चिम रेलवे ने 8 अगस्त, 2022 से 8 और एसी लोकल ट्रेनें शुरू की थीं, जिससे अब एसी ट्रेनों की कुल संख्या 48 हो गई है।

मध्य रेलवे के स्टेशनों पर आधार काउंटर की सुविधा

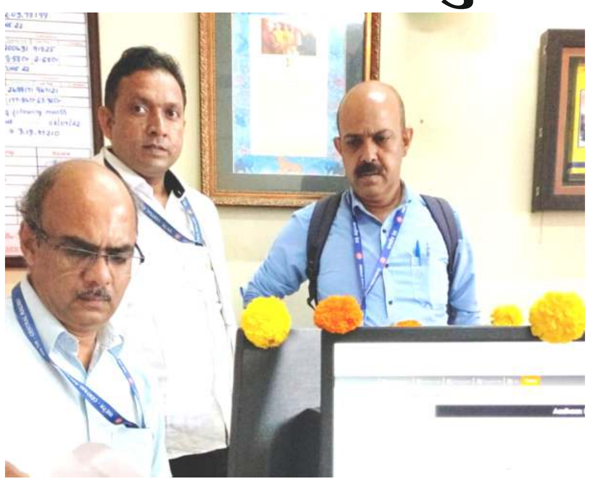

गणेश पाण्डेंय। मुंबई मध्य रेल के रेलवे स्टेशनों पर आधार काउंटर शुरू करके मध्य रेल डिजिटल इंडिया मूवमेंट में एक नया कदम आगे बढ़ा रहा है।यह यूआईडीएआई (यूनिक आइडेंटिफिकेशन ऑथोरिटी ऑफ इंडिया) के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षित रेलवे कर्मचारी आधार अपडेशन काउंटरों का संचालन करेंगे।भारतीय नागरिक नया आधार प्राप्त करने या मौजूदा आधार को अपडेट करने की सुविधा का लाभ इन काउंटरों से उठा सकते हैं।नया आधार नामांकन और अनिवार्य आधार अपडेट (बच्चों के लिए बायोमैट्रिक आदि) सुविधाएं मुफ्त में उपलब्ध होंगी और अन्य वैकल्पिक अपडेट जैसे मोबाइल नंबर अपडेट, पता परिवर्तन के लिए 50/- रुपये का शुल्क लिया जाएगा।यह सुविधा पुणे स्टेशन पर दिनांक 15.08.2022 से आरंभ कर दी गई है तथा सीएसएमटी, नागपुर जैसे अन्य प्रमुख स्टेशनों पर भी धीरे-धीरे प्रदान की जाएगी।

समीर वानखेड़े को मिली जान से मारने की धमकी, पुलिस जांच में जुटी

मुंबई एनसीबी के पूर्व जोनल अधिकारी समीर वानखेड़े को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें यह धमकी सोशल मीडिया के माध्यम से दी गई है। इस संबंध में समीर वानखेड़े ने गोरेगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

समीर वानखेड़े ने पुलिस को बताया है कि उन्हें जान की धमकी ट्विटर के जरिए दी गई है। एक नए बने ट्विटर एकाउंट से उन्हें 14 अगस्त को धमकी दी गई। ट्वीट में कहा गया है-तुमको पता नहीं है कि तुमने क्या गया है, तुमको हिसाब देना पड़ेगा। एक दूसरे ट्वीट में गया गया है कि हम तुमको खत्म कर देंगे।

हाल ही में मिली थी क्लीनचिट

समीर वानखेड़े आर्यन खान ड्रग मामले के बाद चर्चा में आए थे। इसके बाद एनसीपी नेता नवाब मलिक ने उन पर कई आरोप लगाए थे। एक आरोप में मलिक ने कहा था कि वानखेड़े जन्म से मुस्लिम हैं, उन्होंने आरक्षण का लाभ पाने के लिए फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनवाया। हालांकि, इस मामले में वानखेड़े को क्लीनचिट मिल गई थी।

मनपा आयुक्त का आगामी दही हंडी और गणेशोत्सव तैयारियो पर बैठक

संवावदाता । भाईदंर आजादी की अमृत जयंती के अवसर पर प्रशासन द्वारा किए गए अच्छेकार्यों के लिए मीरा भाईदर नगर निगम कमिश्नर ने सभी को बधाई दीऔर गत 17 अगस्त को मीरा भाईंदर मनपा आयुक्त दिलीप ढोले की अध्यक्षता में सभी विभाग प्रमुखों की समीक्षा बैठक हुई। उपायुक्त (मुख्यालय) मारुति गायकवाड़, उपायुक्त (जनसंपर्क) संजय शिंदे, उपायुक्त (सर्व। स्वास्थ्य) रवि पवार, मनपा अभियंता दीपक खाम्बित समस्त विभाग प्रमुख/लेखा प्रमुख, सहायक आयुक्त एवं वार्ड नं 1 से 6 अधिकारी मौजूद रहे।आजादी की अमृत जयंती के अवसर पर सबसे पहले मीराभाईंदर मनपा सभी विभाग प्रमुख एवं सभी कर्मचारियों ने अच्छी पहल करके प्रत्येक विभाग को दिए गए कार्यों को सही ढंग से किया है जिस पर ह आयुक्त ने बधाई व्यक्त की और सभी का धन्यवाद किया। बैठक में दहीहंडी/ गणेशोत्सव के लिए कितने परमिट दिए गए हैं और पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुसार कार्य हो रहा है या नहीं इसकी समीक्षा की गई। इन त्यौहारों में अनाधिकृत रूप से बोर्ड व बैनर लगेंगे तथा अतिक्रमण विभाग द्वारा जारी कार्यवाही के निर्देश आयुक्त ने अतिक्रमण विभाग को दिए।दहीहंडी और गणेशोत्सव के बीच उत्सव का माहौल इसलिए यातायात ब्लॉक हटाने के लिए कार्यरत सभी सहायक आयुक्त को अपने वार्ड में तैयार रहने के निर्देश दिए। आयुक्त महोदय द्वारादिया गया।सड़क के बीचो बीच ढक्कन टूटने पर सड़क पर गड्ढों की मरम्मत करने के लोक निर्माण विभाग को दिए निर्देश।इसी प्रकार जलआपूर्ति विभाग को निर्देश दिए गए कि त्यौहार में शहर में पानी की कमी नहीं होगी इसका ध्यान रखे। साथ ही गणेश विसर्जन के दौरान सीसीटीवी विभाग ने पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर सुरक्षा की दृष्टि से शहर में कुछ स्थानों पर सीसीटीवी लागू किए।

क्या दिसंबर तक गिर जाएगी ममता सरकार, महाराष्ट्र दोहराने के लिए भाजपा को कितने विधायकों की जरूरत?

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार गिरने का एक और दावा किया गया है। नया दावा करने वाले नेता हैं भाजपा के सुवेंदु अधिकारी। अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि दिसंबर तक तृणमूल कांग्रेस (TMC) टूट जाएगी। इसके बाद बंगाल में भी महाराष्ट्र को दोहराया जाएगा। इससे पहले भाजपा नेता और अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती भी इस तरह का दावा कर चुके हैं।

मिथुन ने दावा किया था कि TMC से 38 विधायक BJP के संपर्क में हैं। ऐसे सवाल ये है कि क्या सच में बंगाल में महाराष्ट्र को दोहराया जा सकता है? बंगाल विधानसभा के समीकरण क्या कहते हैं? सरकार बदलने के लिए कितने विधायकों को पाला बदलना होगा?

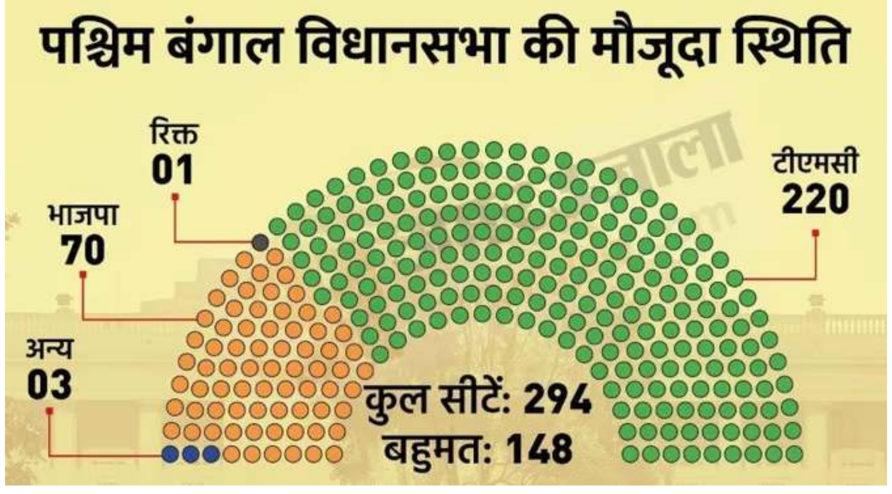

अभी क्या हैं बंगाल के समीकरण?

294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा में इस वक्त TMC के 220 विधायक हैं। ममता बनर्जी की पार्टी को भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक पार्टी के एक विधायक का भी समर्थन मिला है। भाजपा के 70 विधायक हैं। एक-एक सीट से आईएसएफ और निर्दलीय विधायक हैं। एक सीट खाली है। मौजूदा 293 सदस्यों के सदन में बहुमत का आंकड़ा 147 का है। यानीं, ममता बनर्जी की पार्टी के पास बहुमत के आंकड़े से काफी ज्यादा विधायक हैं।

सरकार बदलने का समीकरण क्या है?

पश्चिम बंगाल विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 147 है। भाजपा के पास 70 विधायक हैं। दो अन्य विधायकों का समर्थन अगर उसे मिलता है तब भी उसके बहुमत का आंकड़ा जुटाने के लिए 75 विधायकों की जरूरत होगी। यानीं, TMC के कम से कम 75 विधायकों को तोड़ना होगा। हालांकि, ऐसा करने पर भी सरकार बदल जाएगी ऐसा नहीं कहा जा सकता है। क्योंकि इस स्थिति में बगावत करने वाले 75 विधायकों पर अयोग्यता की तलवार लटक जाएगी।

अयोग्यता से बचने के लिए ये विधायक इस्तीफा भी तो दे सकते हैं? कर्नाटक और मध्य प्रदेश में जब सरकारें बदलीं तब इस तरह का कदम विधायकों ने उठाया था। इन दोनों राज्यों में सत्ताधारी गठबंधन के पास इतना बड़ा बहुमत नहीं था जितना ममता के पास है। कर्नाटक में जहां 13 विधायकों के इस्तीफे से समीकरण बदल गए थे। वहीं, मध्य प्रदेश में 22 विधायकों के इस्तीफे के चलते कमलनाथ सरकार गिर गई थी।

बंगाल में अगर विधायकों के इस्तीफे से सरकार बदलने की कोशिश होती है तो बहुत बड़ी संख्या में विधायकों को इस्तीफा देना पड़ेगा। विधायकों के इस्तीफे के बाद भाजपा अपने दम पर सरकार बनाने की स्थिति में तभी आएगी जब सदन में सदस्य संख्या 139 हो जाए। यानी, TMC के 154 विधायक इस्तीफा दे दें। इतनी बड़ी संख्या में विधायकों का इस्तीफा देना काफी मुश्किल लगता है।

CBI का छापा: पूरे खेल के मास्टरमाइंड केजरीवाल...भाजपा सांसद का बड़ा आरोप

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के घर पर शुक्रवार को सीबीआई की टीम ने छापेमारी शुरू कर दी है। सिसोदिया के आवास सहित दिल्ली-एनसीआर के 21 जगहों पर सीबीआई की रेड चल रही है। दिल्ली और पंजाब के अलावा पांच अन्य राज्यों में भी एक्साइज पॉलिसी के माध्यम से हुए भ्रष्टाचार के मामले में सबूत खंगाले जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने इसे अरविंद केजरीवाल के बढ़ते राजनीतिक कद को रोकने की साजिश बताया है तो भाजपा ने अरविंद केजरीवाल को इस भ्रष्टाचार का मास्टर माइंड बताया है और कहा है कि इस मामले में अरविंद केजरीवाल का जेल जाना तय है। इससे दिल्ली की राजनीति अचानक गरमा गई है।

दिल्ली सरकार पर नई एक्साइज पॉलिसी के बहाने शराब व्यापारियों को अनुचित लाभ पहुंचाने और इसके बदले में व्यापारियों से पैसा वसूलने के आरोप हैं। भाजपा ने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी सरकार ने एक्साइज पॉलिसी से इकट्ठी की गई रकम पंजाब विधानसभा के चुनावों में लगाया। आरोप है कि एक कंपनी को नियमों के उलट जाकर 30 करोड़ रूपये का रिफंड किया गया।

इस मामले में दिल्ली के मुख्य सचिव ने प्रारंभिक स्तर की एक जांच की थी, इसमें नई एक्साइज पॉलिसी में अनियमितता किए जाने की बात सामने आई है। इसी जांच रिपोर्ट के आधार पर उपराज्यपाल ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपी। इसी मामले में सीबीआई की छापेमारी चल रही है। दिल्ली सरकार ने नई एक्साइज पॉलिसी को वापस लेने की घोषणा कर दी है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि नई पॉलिसी में भ्रष्टाचार की बात सामने आने के कारण ही अरविंद केजरीवाल सरकार को यह पॉलिसी वापस लेनी पड़ी है।

भाजपा नेताओं ने कहा

बीजेपी नेताओं ने मनीष सिसोदिया के घर पर हुई छापेमारी का स्वागत किया है और कहा है कि मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल जल्द ही जेल की सलाखों के पीछे होंगे।

मुंबई में जीएसटी रैकेट का भंडाफोड़, 41 करोड़ की फर्जी बिल मिले, एक गिरफ्तार

सीजीएसटी (CGST) के मुंबई स्थित भिवंडी आयुक्तालय की टीम ने इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) पाने के लिए फर्जी बिलों के आधार पर दावा करने वाले बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। आरंभिक रूप से 41 करोड़ के फर्जी बिलों के आधार पर 18 करोड़ के आईटीसी का पता चला है। मामले में एक फर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। सीजीएसटी भिवंडी के आयुक्त सुमित कुमार ने बताया कि यह गिरोह नकली जीएसटी चालान के जरिए इनपुट टैक्स क्रेडिट का फायदा उठाने में जुटा था। इस गिरोह से जुड़ी एक फर्म ने 14.30 करोड़ रुपये के फर्जी बिलों के माध्यम से 2.57 करोड़ रुपये के आईटीसी का लाभ उठाया था। मामला पकड़ में आते ही फर्म के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया। जिस फर्म के कर्ताधर्ता को दबोचा गया है, उसका नाम मेसर्स विश्वकर्मा एंटरप्राइजेज है। उसने 14.30 करोड़

रुपये के फर्जी चालान पर 2.57 करोड़ रुपये के आईटीसी का लाभ उठाया। आरोपी को सीजीएसटी अधिनियम 2017 की धारा 69 के तहत सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 132 के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उसे भिवंडी सीजीएसटी कमिश्नर द्वारा जमानत पर रिहा कर दिया गया। यह मामला टैक्स धोखाधड़ी करने वालों और फर्जी आईटीसी नेटवर्क के खिलाफ सीजीएसटी मुंबई जोन द्वारा शुरू किए गए विशेष अभियान का हिस्सा है।

पिछले एक साल में सीजीएसटी भिवंडी द्वारा की गई गिरफ्तारी का यह 15 वां मामला है। आगे जांच जारी है। इस गिरोह से जुड़ी एक फर्म ने 14.30 करोड़ रुपये के फर्जी बिलों के माध्यम से 2.57 करोड़ रुपये के आईटीसी का लाभ उठाया था। मामला पकड़ में आते ही फर्म के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।